सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 101 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 23 जनवरी 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

नगरीय निकाय चुनाव 2025: राज्य की जनता के सुझावों पर तैयार होगा भाजपा का घोषणा पत्र

वाट्सएप, क्यूआर कोड व ई-मेल से भेज सकेंगे लोग सुझाव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नगरीय के चुनाव का बिगुल बज चुका है। चुनाव की घोषणा के साथ की भाजपा व कांग्रेस ने मुद्दे तलाशना शुरु कर दिया है। सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी निकायों में कांग्रेस की नाकामी का मुद्दा उठाने की तैयारी कर रही है। वहीं कांग्रेस भाजपा के एक साल कार्यों का मुद्दा बनाने की तैयारी है। इस बीच भारतीय जनता पार्टी ने घोषणा पत्र को लेकर बड़ा दांव खेल दिया है। घोषणा पत्र समिति ने तय किया है कि इस बार जनता के सुझावों पर घोषणा पत्र तैयार किया जाएगा।

नगरीय निकाय चुनावों की घोषणा पत्र समिति के संयोजक अमर अग्रवाल ने कहा कि नगरीय निकायों में इस बार जनता से लिए गए सुझाव के आधार पर भाजपा अपना घोषणा पत्र जारी करेगी। इसके लिए उन्होंने व्हाट्सएप नंबर 9111014400 से, क्यूआर कोड को स्कैन करके और ई-मेल morsujhav@bjpcg.com के माध्यम से सुझाव मांगे है। अमर अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में फिर से चुनाव का शंखनाद हो गया है। प्रदेश का यह चुनाव मूलत: उस विश्वास का जनादेश में बदलने के लिए हैं, जो विश्वास हमने अपने पिछले एक वर्ष के कार्यकाल में हासिल की है। हमने पिछले महीने ही 'जनादेश परब' में विश्वास का एक वर्ष पूर्ण किया है। इस वर्ष को विष्णुदेव साय की सरकार ने 'अटल निर्माण वर्ष घोषित किया है। आप जानते ही हैं कि यह वर्ष प्रदेश निर्माता अटल की शताब्दी वर्ष भी है।

हमने बनाया है, हम ही संवारेंगे

घोषणा पत्र समिति के संयोजक अमर अग्रवाल ने कहा कि भाजपा ने अपने मंत्र हमने बनाया है, हम ही संवारेंगे के साथ राज्य में विकास का नया अध्याय लिखा है। केंद्र और राज्य दोनों में भाजपा सरकार ने जो अद्भुत कार्य किए हैं, वह जनता के सामने हैं। हमने बीते एक साल में जो वादे किए, उन्हें पूरा कर यह साबित किया है कि भाजपा केवल बोलती नहीं, बल्कि करती भी है। अब हम इस मंत्र को लेकर नगर पालिका, नगर निगम और जिला परिषद स्तर तक पहुंच रहे हैं, ताकि हर शहर, हर वार्ड, और हर गली, यहा तक कि हर घर में विकास की यह गूंज सुनाई दे। हमारा उद्देश्य छत्तीसगढ़ के हर नागरिक को स्वच्छ, सुंदर, और समृद्ध जीवन प्रदान करना है। कांग्रेस के भ्रष्टाचार और कुशासन के विपरीत, भाजपा हर स्तर पर पारदर्शी और जवाबदेह शासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। निस्संदेह अटल निर्माण वर्ष के अधोसंरचना के क्षेत्र के अधिकाधिक कार्य करेगी और इसका सबसे बड़ा लाभ हमारे नगरीय निकायों को मिलेगा।

चुनाव में यह मुद्दे रहेंगे हावी

चुनाव की घोषणा के साथ ही भाजपा व कांग्रेस ने अपने मुद्दे तैयार कर लिए हैं। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैच ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि निकाय चुनाव में पूरा दमखम दिखाएंगे। कांग्रेस भाजपा के एस साल में हुए कार्यों का मुद्दा बना रही है जिसमें 500 रुपए सिलेंडर का वादा, आरक्षण नीति, शिक्षक भर्ती जैसे मुद्दे शामिल हैं। भारतीय जनता पार्टी ने भी अपने मुद्दे तैयार किए हैं। सूत्रों की माने तो कांग्रेस शासनकाल का भ्रष्टाचार भाजपा के लिए बड़ा मुद्दा है। भाजपा नेताओं के मुताबिक नगरीय निकायों में भी कांग्रेस के महापौर और अध्यक्षों का ही पूरा कार्यकाल रहा है। इस दौरान स्मार्ट सिटी के पैसों के बंदरबाट, कोरोना फंड का दुरुपयोग समेत कई ऐसे भ्रष्टाचार कांग्रेस नेताओं द्वारा किए गए हैं। इन सबको भी चुनाव के दौरान उजागर किया जाएगा।

खास-खबर

ट्रैक्टर और ट्रक सीज, 975 कट्टा अवैध धान जब्त

महासमुंद। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशन में अवैध धान खरीदी, परिवहन व भंडारण पर खाद्य विभाग व राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा कार्रवाई सतत जारी है। इसी क्रम में गढफुलझर और सराईपाली के बीच संयुक्त टीम द्वारा रात्रि में धान की अवैध परिवहन करते एक ट्रेक्टर और ट्रक को पकड़ा गया। जिसमें क्रमश: 100 कट्टा धान और 875 बोरे धान ले जाते हुए पकड़े गए। मिली जानकारी के अनुसार चिमरकेल इलाके में जांच के दौरान टीम द्वारा दोनों वाहनों को रोककर दस्तावेज मांगे गए। जांच में पाया गया कि ट्रेक्टर में लदा 100 कट्टा धान पूरी तरह से बिना दस्तावेज के था। वहीं ट्रक में लदे 875 बोरे धान गढफुलझर समिति से बरौली के रियांस राइस मील के लिए जारी डीओ (डिलीवरी ऑर्डर) के नाम पर धान का उठाव किया गया था। लेकिन, इसे बरौली के बजाय सराईपाली की ओर ले जाया जा रहा था। जो स्पष्ट रूप से नियमों का उल्लंघन है। दोनों वाहनों को तुरंत जप्त कर लिया गया है और अवैध धान के मालिकों से दस्तावेजों की पुष्टि और जांच शुरू कर दी है।

सागौन बाड़ी में मिली लाश, हत्या कर ठिकाना लगाने की आशंका

कोरबा। जिले के भैसमा में साप्ताहिक बाजार के पास सागौन बाड़ी में आज एक युवक के शव मिलने से हड़कंप मच गया है। अज्ञात आरोपी ने युवक के सिर को पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी है। शव की अबतक शिनाख्त नहीं हो पाई है। इसकी सूचना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, यह उरगा थाना क्षेत्र का मामला है। यहां अज्ञात आरोपी ने युवक के सिर को बुरी तरह पत्थर से कुचलकर मौत के घाट उतार दिया। उरगा थाना पुलिस ने सूचना के बाद पहुंची मौके पर जांच कार्रवाई में जुट गई है। वहीं अधिक जानकारी जुटाने के लिए मौके पर फोरेंसिक एक्सपर्ट और डॉग स्क्वॉड बुलाया गया है। जिले में भैसमा, सबसे बड़े ग्राम पंचायतों में से एक है। यहां साप्ताहिक बाजार के पास बाड़ी में शव मिलने के मामले में पुलिस लगातार पूछताछ कर रही है। युवक का सिर बुरी तरह पत्थर से कुचले जाने के चलते शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाल रही है।

छेर-छेरा में दान मिला धान बेचकर शराब पी गया टीचर नशे में धुत स्कूल में सोता रहा, वीडियो हुआ वायरल

■ **कांकेर के दुर्ग कोंदल का मामला, जिला शिक्षा अधिकारी तक पहुंची शिकायत**

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक स्कूल के शिक्षक ने गजब कारनामा कर डाला। दरअसल शिक्षक ने छेर-छेरा पर दान में मिले धान को बेच दिया और उससे मिले पैसों से शराब पी गया। यही नहीं स्कूल में शराब के नशे में धुत व सोता रहा। इसका एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने कार्रवाई की बात की है।

यह पूरा मामला दुर्गूकोंदल थाना क्षेत्र के ग्राम पलाचूर प्राथमिक शाला का है। बुधवार को सहायक शिक्षक राम कुमार कोमरा नशे में धुत होकर सोता नजर आया। ग्रामीणों के अनुसार स्कूली बच्चे छेरछेरा पूर्णिमा में घर-घर जाकर दान मांगकर धान और अन्य सामग्री एकत्रित किए थे। शिक्षक को इसकी जानकारी मिलते ही धान को ले जाकर दुकान में बेच दिया। उस पैसे का शराब पी लिया। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि शिक्षक रोजाना इसी हालत में स्कूल पहुंचता है और अब तक उच्च अधिकारियों द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जिससे समस्याएं बनी हुई है।

जिला शिक्षा अधिकारी अशोक पटेल ने बताया कि उन्होंने भी वीडियो देखा है। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को मामले की जांच के लिए निर्देशित किया गया है। रिपोर्ट आने पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि वीडियो में जो घटना देखने को मिल रही है, वह बहुत निंदनीय है एक शिक्षक के कारण हमारा पूरा शिक्षक समुदाय बदनाम हो रहा है।

हैदराबाद में शख्स ने बेरहमी से की पत्नी की हत्या, प्रेशर कुकर में उबाले शव के टुकड़े, गिरफ्तार हुआ आरोपी

हैदराबाद ए.। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में एक शख्स ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। इतना ही नहीं, उन्होंने शव के टुकड़े-टुकड़े कर प्रेशर कुकर में उबाला। उसने अपनी भयावह करतूत को छिपाने के लिए हर पैंतरा अपनाया। उसने अपनी पत्नी की लापता होने की अफवाह भी फैलाई। आरोपी रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) में सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करता है। उसकी उम्र 45 वर्ष बताई जा रही है। वह पूर्व सैनिक भी रह चुका है और उसका नाम गुरु मूर्ति बताया जा रहा है। उसने अपना अपराध कबूल कर लिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 35 वर्षीय वेंकट माधवी के लापता होने की सूचना उसके परिवार ने 16 जनवरी को दी थी। जब पुलिस ने जांच शुरू की तो उन्हें उसके पति पर शक हुआ। जब पुलिस ने उससे पूछताछ की तो उसने जघन्य अपराध कबूल कर लिया। मीरपेट के पुलिस निरीक्षक नागराजू ने कहा कि 16 जनवरी को सुबम्मा नाम की एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई कि उसकी बेटी माधवी लापता हो गई है। उसकी शादी 13 साल पहले गुरुमूर्ति से हुई थी। पिछले पांच साल से दोनों पत्नी और पति अपने दो बच्चों के साथ मीरपेट पुलिस स्टेशन की सीमा के तहत वेंकटेश्वर कॉलोनी में रह रहे थे। इस महीने की 16 तारीख को शिकायतकर्ता की बेटी माधवी और उसके पति गुरुमूर्ति के बीच किसी मुद्दे पर बहस हुई, उसके बाद से उसकी कोई खबर नहीं है।

आरोपी ने बताया कि उसने अपनी पत्नी की हत्या कर दी है। उसने उसके शरीर के अंगों को काट दिया और उबालने के बाद उन्हें झील में फेंक दिया। फिलहाल हैदराबाद पुलिस सच्चाई का पता लगा रही है।

सुकमा की बंद गुफा से सुरक्षाबलों ने बरामद किया हथियारों का जखीरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों की कार्रवाई के कारण नक्सली बैकफुट पर हैं। बस्तर संभाग के धुर नक्सल क्षेत्रों में सुरक्षाबल लगातार कार्रवाई कर कर रहे हैं। ताजा मामले में सुकमा में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षाबलों ने सुकमा दुलेड इलाके में घोर जंगल के बीच प्राचीन गुफा से नक्सलियों द्वारा छिपाए गए हथियारों का जखीरा बरामद किया है। इस गुफा को नक्सलियों ने अपने छिपने व हथियार बनाने का अड्डा बना रखा था। सुरक्षाबलों ने यहां से विस्फोटक सामग्री के साथ-साथ लेंथ मशीन भी बरामद की है।

आईईडी, जनरेटर व लेथ मशीन भी मिली

मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को 203 कोबरा बटालियन और 131 बटालियन सीआरपीएफकी संयुक्त टीम ने मेटागुडेम और डुलेर गांवों के बीच सर्चिंग की। 203 कोबरा के 5 टीमों ने 131 बटालियन सीआरपीएफ की ए और डी कंपनियों के साथ मिलकर क्षेत्र में माओवादी उपस्थिति के बारे में खुफिया इनपुट मिलने के बाद सर्चिंग अभियान तेज किया। इस दौरान मेटागुडेम गांव से लगभग डेढ़ किलोमीटर दूर एक गुफा दिखा। सुरक्षाबल जब गुफा में घुसे तो यहां का नजारा देख हैरान रह गए। सुरक्षाबलों ने विस्फोटक सामग्री और हथियार निर्माण उपकरणों का बड़ा भंडार सफलता पूर्वक बरामद किया।

बड़ी मात्रा में छिपाकर रखे गए थे विस्फोटक पर हथियार

गुफा में नक्सलियों द्वारा भारी मात्रा में हथियार व विस्फोटक छिपा कर रखा गया था। हालांकि गुफा में एक भी नक्सली नहीं मिला। मौके से साबुन के केसों में पैक 21 इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), मल्टीपल बैरल ग्रेनेड लांचर (बीजीएल) बम, एक जनरेटर सेट, लेथ मशीन के सामान, विस्फोटक बनाने की बड़ी मात्रा में सामग्री, गन निर्माण के उपकरण आदि बरामद किया गया। बरामद आईईडी का वजन लगभग 250 ग्राम था। बताया जा रहा है कि नक्सली उक्त हथियारों को उपयोग किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए करने वाले थे, लेकिन इससे पहले ही सुरक्षाबलों के हाथ लग गए।

गरियाबंद में गुड्डू नक्सली भी मारा गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। जिले में हुए बड़े एंटी नक्सल ऑपरेशन से जुड़ी नई जानकारी सामने आई है। मारे गए नक्सली की शिनाख्त पूरी हो चुकी है। जिसमें पता चला है कि मुठभेड़ में 25 लाख का इनामी नक्सली गुड्डू और उसकी पत्नी अंजू को भी मार गिराया गया है। गुड्डू उर्फ बलदेव राज्य कमेटी मेंबर और अंजू जिला कमेटी मेंबर थी। वहीं मुठभेड़ से लौटे जवानों से आज रूबरू होने आईजी अमरेश मिश्रा मैनपुर जाएंगे।

बता दें कि कुल्हाड़ी घाट के भालू डिग्गी जंगल में सोमवार से सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ खत्म हो चुकी है। इस मुठभेड़ में मारे गए 14 नक्सलियों के शव को लेकर मंगलवार की रात जवान जिला मुख्यालय पहुंचे। जिसके बाद दो और वर्दीधारी एक पुरुष और एक महिला नक्सलियों के शव बरामद हुए थे, जिनकी शिनाख्त आज हुई है। घटनास्थल से सुरक्षाबलों ने एक र्य-47, एक कंट्री मेड राइफल और भारी मात्रा में नक्सली सामग्री बरामद की है। जवानों ने कुल 16 नक्सलियों को मार गिराया है।

सड़कों पर स्वयं उतरे यमराज, साथ में चित्रगुप्त

श्रीकंचनपथ

गुस्ताखी माफ
- दीपक रंजन दास

हिन्दू मत के अनुसार मृतकों को उनके कर्म के अनुसार दंड दिए जाने का प्रावधान है। यह जिम्मेदारी यमराज की होती है। लोगों के कर्मों का हिसाब किताब चित्रगुप्त रखते हैं। अब लोगों में ट्रैफिक सेंस और खुद अपनी सुरक्षा का भाव पैदा करने के लिए पुलिस खुद यमराज और चित्रगुप्त बनकर सड़क पर आई है। घटना खैरागढ़ की है। मंगलवार को यहां यमराज और चित्रगुप्त बने पुलिस कर्मियों को सड़कों पर देखा गया। सड़क सुरक्षा माह अंतर्गत वे लोगों को हेलमेट नहीं पहनने के जोखिम और हेलमेट का उपयोग करने के फायदे बता रहे थे। दरअसल, खुशहाल भारत में वाहनों की संख्या तेजी से बढ़ी है। जिस उम्र के बच्चों के पास 1980 तक अपनी साइकिल नहीं होती थी, वो अब मोटरसाइकिल से स्कूल कालेज जा रहे हैं। यही हाल वयस्कों का भी है। किस्त पर वाहनों की खरीदी आसान होने के बाद अब हर घर में वाहनों का अंबार है। दुपहिया और चार पहिया वाहनों की बढ़ती बिक्री ने एक नई समस्या पैदा कर दी है, पार्किंग की। सरकार की तरफ से लोकसभा में दी गई जानकारी के मुताबिक देश में 21 करोड़ से अधिक दोपहिया वाहन रजिस्टर्ड हैं। इसके साथ ही 4 करोड़ से ज्यादा चार पहिया और उससे ऊपर की श्रेणी के वाहन पंजीकृत हैं। यह संख्या इतनी अधिक है कि गलियों से लेकर मुख्य सड़कों पर ही गाड़ियों को पार्क करने की नौबत आ गई है। गाड़ियों के इसी रेलमपेल का नतीजा है कि सड़क हादसों में भी बेतहाशा वृद्धि हुई है। हर उम्र का व्यक्ति सड़क पर है। इसमें से कुछ जल्दबाज हैं जो घर से लेट निकलते हैं पर स्कूल, कालेज या ड्यूटी समय पर उपस्थित होना चाहते हैं। कार्यस्थल पर बायोमेट्रिक्स लागू होने के बाद अब एक मिनट की देर भी बर्दाश्त नहीं की जाती। कुछ ऐसे लोग भी होते हैं जिन्हें कोई जल्दी नहीं होती। ये लोग मस्ती में एक हाथ से मोबाइल कान में चिपकाए कछुआ चाल में अपनी कार को सड़क पर रेंगाते रहते हैं। इनके वजह से ओवरटेकिंग मजबूरी बन जाती है और फिर हादसे होने लगते हैं। इन हादसों में सर्वाधिक जानें दुपहिया सवारों की ही जाती है। इंडिया टुडे की डेटा इंटेलिजेंस यूनिट ने 2017 में इसकी पुष्टि भी की थी। 2017 में 48746 दुपहिया चालकों की मौत सड़क हादसों में हुई थी। समस्या यह है कि आखिर लोग अपनी सुरक्षा के प्रति सचेत क्यों नहीं हैं? क्यों पुलिस को बार-बार हेलमेट के प्रति लोगों को आगाह करना पड़ रहा है? पुलिस को सड़क पर नौटंकी छोड़कर ओवर स्पीडिंग और रैश ड्राइविंग के मामलों में सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। ये लोग अपनी मस्ती के लिए दूसरों के जीवन को खतरे में डालते हैं। आज जब हर तरफ हर जगह सीसीटीवी की बातें होती हैं तो ट्रैफक ठीक करने में उसका इस्तेमाल क्यों नहीं? रेड लाइट जम्प करने वालों के खिलाफअभियान क्यों नहीं?

संपादकीय

जो होता आया है वही होने की उम्मीद की जा रही

किसी राज्य में सरकार बदलती है तो राज्य की हवा भी उसके हिसाब से बदल जाती है।छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल सरकार के जाने के बाद सत्ता में साय सरकार है तो जो हवा भूपेश बघेल सरकार के रहते उसके पक्ष में रहती थी, साय सरकार आने के बाद हवा बदल गई है और साय सरकार के पक्ष में हो गई है। विधानसभा चुनाव,लोकसभा चुनाव जीतने के बाद भाजपा के हौसले बुलंद है,वह विजय पथ पर है और हर चुनाव में जीत के विश्वास से भरी हुई है। अपनी सरकार के काम के बल पर जीतने का यकीं होता है तो राजनीतिक दल की जीत आसान हो जाती है।

राज्य में नगरीय निकाय व पंचायत चुनावों की तारीखों की घोषणा हो गई है।नगरीय चुनाव एक चरण में होगा। 11 फरवरी को मतदान होगा और 15 फरवरी को रिजल्ट की घोषणा की जाएगी। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए मतदान तीन चरणों में 17.20 व 23 फरवरी को होगा तथा रिजल्ट 18,21 व 24को आ जाएगा।राज्य में कुल नगर निगम हैं 14, इनमें से 10 में चुनाव होने हैं। इसी तरह इसी तरह नपा व नगरपंचायतों में भी सभी जगह चुनाव नहीं हो रहे हैं। कुछ जगह चुनाव कार्यकाल पूरा नहीं होने के कारण नहीं कराया जा रहा है।

> ***कहते हैं कि इतिहास अपने को दोहराता है। इसलिए सत्ता में रहने वालों को घमंड नहीं करना चाहिए।हम योग्य है, इसलिए सत्ता पर हैं, जनता सर्वशक्तिमान है, वही सत्ता देती है और वही सत्ता छीन लेती है। सत्ता मिलने पर जिनमें अहंकार आ जाता है,वह सोचने लगते हैं कि हम जीत रहे हैं तो जनता उनको चुनाव आने पर एहसास करा देती है कि तुम जीत नहीं रहे थे, जनता तुमको जिता रही थी। जब राज्य में भूपेश बघेल की सरकार थी तो सरकार विधानसभा चुनाव जीतने के बाद लोकसभा चुनाव हारी थी, उसके बाद सभी उपचुनाव व नगरीय निकाय चुनाव व पंचायत चुनाव में भी अच्छी जीत हासिल की थी। भाजपा को निरंतर हार का सामना करना पड़ा था, इससे भाजपा में गहरी निराशा घर कर गई थी। ऐसा कहा जाने लगा था कि भाजपा अब छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को हरा नहीं सकती। भूपेश सरकार को चौथे साल तक पूरा भरोसा था कि छत्तीसगढ़ में हम ही जीतते आए है और अगला विधानसभा चुनाव भी हम जीतेंगे।***

पांचवें साल राज्य की जो हवा बदली, चुनाव जीतने का दावा करने वाली कांग्रेस चुनाव हार गई। इसके बाद कांग्रेस लोकसभा चुनाव में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी। वह बयानों व आंदोलनों के जरिए राज्य में माहौल बनाने का प्रयास करती रही कि जनता भाजपा सरकार से नाराज हैं। साय सरकार राज्य में अलोकप्रिय हो गई है, लोकसभा चुनाव में भाजपा की जीत से साबित यही हुआ कि जनता का भरोसा भाजपा पर कायम है, कांग्रेस पर नहीं है। विधानसभा व लोकसभा चुनाव से तो साबित हो गया है कि राज्य की जनता का भरोसा भाजपा पर है।कांग्रेस को जनता ने नकार दिया है।

अब नगरीय चुनाव व तीनस्तरीय पंचायत चुनाव के रूप में कांग्रेस के पास एक मौका और है चुनाव जीतकर साबित करने का कि जनता भाजपा से नाराज है,साय सरकार अलोकप्रिय हो गई है। यानी इस बार के चुनाव में कांग्रेस के पास आखिरी मौका है जनता का भरोसा जीतने का। यह बड़ी चुनौती है क्योंकि सरकार के रहते नगरीय निकाय व पंचायत चुनाव जीतना जितना आसान होता है।सरकार नहीं रहने पर यह चुनाव जीतना उतना ही मुश्किल होता है। माना जाता है कि सरकार जिसकी होती है,वही दल नगरीय व पंचायत चुनाव भी जीतता है।

नगरीय निकाय व पंचायत चुनाव में भाजपा के पास खोने के लिए कुछ नहीं है, पाने के लिए बहुत कुछ है। इस बार कांग्रेस के सामने चुनौती यह है कि उसे सब निगम में जीतना है, ज्यादातर नपा में जीतना है, क्योंकि पिछली बार वह जीती थी। कांग्रेस ऐसा कर पाएगी इसमें संदेह है। क्योंकि जनता अपने निगम क्षेत्र में, नपा क्षेत्र में विकास चाहती है और विकास उसी दल का प्रत्याशी करा सकता है जिसकी सरकार होती है। इसलिए इस बार भी जिस दल की सरकार है, उसी दल के प्रत्याशी ज्यादा जीत सकते हैं। ऐसा होता आया है इसलिए ऐसा होने का उम्मीद की जा रही है। कांग्रेस अध्यक्ष भले दावा करें कि वह फिर से नगर निगम व नपा में जीतेंगे लेकिन हकीकत तो चुनाव के बाद सामने आ जाएगी।

सुभाष चंद्र बोस: पीढ़ियों को प्रेरित करने वाली विरासत

गजेन्द्र सिंह शेखावत, केंद्रीय संस्कृति मंत्री

पराक्रम दिवस के अवसर पर, जो नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 128वीं जयंती को रेखांकित करता है, हम भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनके अपार योगदान और उनकी अदम्य भावना का सम्मान करते हैं, जो आज भी युवाओं को प्रेरित करती है। इस दूरदर्शी नेता के जीवन और आदर्शों का उत्सव मनाने के लिए स्थापित, पराक्रम दिवस इस बात पर विचार करने का एक अवसर है कि हम उनके सिद्धांतों को अपनी व्यक्तिगत और राष्ट्रीय आकांक्षाओं के साथ कैसे एकीकृत कर सकते हैं। यह दिन, न केवल उनके बलिदान की याद दिलाता है, बल्कि कार्रवाई का आह्वान भी करता है तथा हमें साहस, निष्ठा और नेतृत्व के उनके सिद्धांतों को अपनाने का आग्रह करता है, ताकि एक समृद्ध, आत्मनिर्भर राष्ट्र का निर्माण किया जा सके।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, नेताजी के योगदान को संस्थागत रूप दिया गया है तथा इसे पहले से कहीं ज्यादा बड़े पैमाने पर मनाया जा रहा है। 2021 में, सरकार ने 23 जनवरी को पराक्रम दिवस के रूप में नामित किया, जिससे नेताजी की विरासत का सम्मान करने के लिए वार्षिक राष्ट्रव्यापी

समारोह सुनिश्चित हुआ। कर्त्तव्य पथ पुनर्विकास परियोजना के तहत इंडिया गेट पर नेताजी की प्रतिमा का अनावरण, उनके विजन के प्रति एक ऐतिहासिक श्रद्धांजलि थी। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे 'भारतीय गौरव और संस्कृति के पुनरुत्थान' का प्रतीक घोषित किया, जो बोस के राष्ट्रवाद के आदर्शों के अनुरूप है।

इसके अलावा, नेताजी से जुड़ी 304 फाइलों को सार्वजनिक करना एक ऐतिहासिक कदम था, जिसने दशकों से चल रही अटकलों को खत्म कर दिया और जनता को उनके जीवन और कार्य से जुड़े महत्वपूर्ण रिकॉर्ड तक पहुंच प्रदान की। इसके अतिरिक्त, मणिपुर के मोइरंग में आईएनए मेमोरियल का पुनरुद्धार, जहां इंडियन नेशनल आर्मी ने पहली बार तिरंगा फहराया था, नेताजी की विरासत को संरक्षित करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करता है। माननीय प्रधानमंत्री मोदी ने बोस के वैश्विक प्रभाव पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, 'नेताजी का जीवन स्वतंत्रता के लिए समर्पित था और उन्होंने एक ऐसे भारत की कल्पना की थी, जो आत्मनिर्भर और आत्मविश्वास से भरा हो।'

सुभाष बोस का जन्म कटक में एक सम्मानित परिवार में हुआ था। वे एक प्रतिभाशाली छात्र थे। कटक के रेवेनशॉ कॉलेजिएट स्कूल, कलकत्ता के प्रेसीडेंसी कॉलेज और भारतीय सिविल सेवा (आईसीएस) परीक्षा में उन्होंने अपने अध्ययन का बेहतरीन प्रदर्शन किया। देशभक्ति की गहरी भावना और अपने देश की सेवा करने की इच्छा से प्रेरित होकर, उन्होंने एक सम्मानजनक करियर की सुख-सुविधाओं को ठुकराते हुए आईसीएस से इस्तीफा देने का फैसला किया। बाद में, उन्होंने देशभक्ति की भावना जगाने और देशवासियों के बीच स्वतंत्रता का संदेश फैलाने के लिए 1921 में 'स्वराज' नामक एक समाचार पत्र शुरू किया।

नेताजी का स्वतंत्र भारत का सपना सिर्फ़एक सपना नहीं था, बल्कि कार्रवाई का आह्वान था। जब वे 1941 में नज़रबंदी से भाग निकले और अंतरराष्ट्रीय समर्थन मांगा, तो यह सिर्फ एक रणनीतिक कदम नहीं था - यह दृढ़ संकल्प, सहनशीलता और जरूरत पड़ने पर अपरंपरागत रास्ते अपनाने की इच्छाशक्ति का एक साहसिक दावा था।

उन्होंने घोषणा की, 'मुझे खून दो और मैं तुम्हें आजादी दूंगा,' यह उनके इस विश्वास को दर्शाता है कि सच्ची आजादी के लिए सिर्फ शब्दों की नहीं, बल्कि कार्यों की भी जरूरत होती है। चाहे वह इंडियन नेशनल आर्मी (आईएनए) के निर्माण के जरिए हो या आज़ाद हिंद रेडियो पर उनके भाषणों के जरिए, बोस ने दिखाया कि आजादी हासिल करने के लिए सामूहिक प्रयास, बलिदान और प्रगति के व्यापक दृष्टिकोण में योगदान देने की इच्छा की जरूरत होती है। पूर्व ब्रिटिश पीएम क्लेमेंट एटली ने एक बयान में अंग्रेजों के भारत छोड़ने के कई कारण बताए, 'उनमें से सबसे प्रमुख कारण था - नेताजी की सैन्य गतिविधियों के परिणामस्वरूप भारतीय सेना और नौसेना कर्मियों के बीच ब्रिटिश राज के प्रति वफ़ादारी का कम होना।'

यद्यपि महात्मा गांधी के साथ उनके वैचारिक मतभेद जगजाहिर थे, लेकिन गांधी के सिद्धांतों के प्रति बोस का सम्मान अटल रहा और उनके विपरीत रास्ते उनके पृथक दृष्टिकोणों को उजागर करते थे। नेताजी ने 1939 में कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया, लेकिन भारत की स्वतंत्रता की उनकी प्रतिबद्धता कभी कम नहीं हुई। आज के युवाओं के लिए, यह हमें अपने आदर्शों के प्रति सच्चे रहने का महत्व सिखाता है, भले ही आगे का रास्ता चुनौतियों से भरा हो।

नेताजी ने आईएनए के भीतर 'झांसी की रानी रेजिमेंट' का गठन करके 'नारी शक्ति' के महत्व को मान्यता दी, एक पूरी तरह से महिला रेजिमेंट जिसने महिला सशक्तिकरण के प्रति उनके विश्वास को सुदृढ़ किया। ये आदर्श माननीय प्रधानमंत्री के भारत के विजन में अच्छी तरह से परिलक्षित होते हैं, जहाँ महिलाएँ देश के भविष्य को आकार देने में एक अभिन्न भूमिका निभाती हैं।

पराक्रम दिवस, नेताजी की अमर विरासत का एक वार्षिक अनुस्मारक आयोजन बन गया है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रदर्शनियों से युक्त समारोहों के पिछले आयोजनों ने उनके योगदान को प्रतिष्ठा दी है, जिसमें कोलकाता और दिल्ली प्रमुख आयोजन स्थल हैं, जहाँ उनकी एकता और देशभक्ति की भावना सड़कों पर गूंजती थी। इस वर्ष, कटक में, इस कार्यक्रम का विशेष महत्व है, क्योंकि यह उनके मूल स्थान का सम्मान करता है।

एक ऐसी दुनिया में जो सुदृढ़ता और नवाचार की मांग करती है, उनकी जीवन गाथा युवाओं को एक विकसित भारत - एक आत्मनिर्भर, विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने और कार्य करने के लिए एक शक्तिशाली प्रेरणा के रूप में कार्य करती है। जैसा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने एक बार कहा था, 'सुभाष चंद्र बोस का नाम देशभक्ति की भावना जगाता है और राष्ट्र को साहस और निस्वार्थ भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित करता है।' आइए हम एक उज्ज्वल, मजबूत भविष्य के लिए मिलकर काम करके उनकी विरासत को आगे बढ़ाएं।

(ये लेखक के विचार हैं)

Farmers Producer Organisation (FPO)
किसानों की समृद्धि का नया माध्यम

भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहां अधिकांश जनसंख्या कृषि पर निर्भर है। किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें संगठित करने के उद्देश्य से 'फार्मर्स प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन' (FPO) का गठन किया गया। यह संगठन किसानों को संगठित करता है, जिससे वे उत्पादन, विपणन और संसाधन प्रबंधन में कुशल बन सकें। वर्तमान में, FPO भारतीय कृषि क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस लेख में हम FPO की मौजूदा स्थिति, सरकारी सहयोग, चुनौतियां और किसानों के लिए इसके फायदे पर चर्चा करेंगे।

FPO की मौजूदा स्थिति

FPOs का मुख्य उद्देश्य छोटे और सीमांत किसानों को एकत्रित करके उन्हें बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाना है। वर्तमान में भारत में लगभग 10,000 से अधिक FPO पंजीकृत हैं, जिनमें लाखों किसान सदस्य हैं। ये संगठन कृषि उत्पादों के बेहतर मूल्य निर्धारण, किफायती इनपुट्स, और बेहतर विपणन सेवाओं में सहायक साबित हो रहे हैं। इनमें से अधिकांश संगठन छोटे और सीमांत किसानों के लिए काम कर रहे हैं। हालांकि, उनकी सफलता का स्तर क्षेत्र और प्रबंधन कौशल पर निर्भर करता है। कुछ FPO अपने क्षेत्र में बड़े बाजारों तक पहुंच बना चुके हैं, जबकि अन्य अभी भी संसाधनों की कमी और संगठनात्मक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

वर्तमान सरकारी सहयोग: FPOs के विकास और सशक्तिकरण के लिए केंद्र और राज्य सरकारें विभिन्न योजनाएं और नीतियां लागू कर रही हैं।

केंद्रीय योजनाएं: केंद्र सरकार ने 10,000 नए FPOs के गठन की योजना बनाई है, जिसे 2024-25 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

कृषि अवसंरचना निधि (Agriculture Infrastructure Fund) के तहत FPOs को सस्ती दरों पर ऋण प्रदान किया जा रहा है। राष्ट्रीय कृषि बाजार (e-NAM) से FPOs को जोड़कर किसानों को एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपने उत्पाद बेचने का अवसर दिया गया है।

राज्य स्तरीय समर्थन: कई राज्य सरकारें FPOs को पंजीकरण में सब्सिडी, मार्केटिंग सहायता और तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान कर रही हैं। कुछ राज्यों ने सहकारी समितियों और निजी क्षेत्र के साथ FPOs की साझेदारी को बढ़ावा दिया है।

नाबार्ड और अन्य एजेंसियां: नाबार्ड, SFAC (Small Farmers Agribusiness Consortium), और अन्य वित्तीय संस्थान FPOs को वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान कर रहे हैं।

चुनौतियां : हालांकि FPOs किसानों के लिए बेहद फायदेमंद साबित हो रहे हैं, लेकिन कई चुनौतियां अभी भी सामने हैं।

वित्तीय समस्याएं: कई FPOs को शुरूआती पूंजी और संचालन के लिए पर्याप्त वित्तीय सहायता नहीं मिल पाती। बाजार में प्रतिस्पर्धा के लिए बड़े निवेश की आवश्यकता होती है।

प्रबंधन और कौशल की कमी: संगठन को सुचारू रूप से चलाने के लिए व्यावसायिक कौशल और प्रबंधन की जरूरत होती है, जो कई FPOs में नहीं है।

बाजार तक पहुंच की कठिनाई: छोटे और सीमांत किसानों के उत्पादों को बड़े बाजार तक पहुंचाने में समस्याएं आती हैं। बेहतर मूल्य प्राप्त करने के लिए गुणवत्ता और पैकेजिंग की जरूरत होती है, जिसमें FPOs अक्सर पीछे रह जाते हैं।

सरकारी योजनाओं की जानकारी का अभाव: ग्रामीण इलाकों में किसानों को सरकार की योजनाओं और सब्सिडी की पूरी जानकारी नहीं मिल पाती।

FPOs के फायदे : FPOs किसानों के लिए कई तरह के लाभ प्रदान करते हैं:

संयुक्त क्रय शक्ति: बड़े पैमाने पर बीज, उर्वरक, और कृषि उपकरण खरीदने से लागत में कमी आती है।

बेहतर बाजार मूल्य: संगठित रूप में उत्पाद बेचने से किसानों को उनके उत्पाद का बेहतर मूल्य मिलता है।

वित्तीय सहायता: FPOs के माध्यम से किसानों को सस्ती दरों पर ऋण और सरकारी सब्सिडी मिलती है।

तकनीकी ज्ञान और प्रशिक्षण: किसानों को नई तकनीकों, जैविक खेती, और जलवायु अनुकूल खेती के बारे में जागरूक किया जाता है।

मूल्य संवर्धन: FPOs प्रसंस्करण और पैकेजिंग के जरिए उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार कर उन्हें मूल्यवर्धित उत्पादों के रूप में बाजार में बेचते हैं।

आगे की राह और संभावनाएं

FPOs को कृषि क्षेत्र में और सशक्त बनाने के लिए कुछ कदम उठाए जा सकते हैं।

तकनीकी उन्नयन: डिजिटल तकनीकों का उपयोग करके किसानों को मार्केटिंग और प्रशिक्षण में मदद करना।

निवेश बढ़ावा: प्राइवेट सेक्टर और NGOs के साथ साझेदारी करके FPOs के लिए निवेश के रास्ते खोलना। सरकारी योजनाओं की **जागरूकता:** किसानों को योजनाओं और सब्सिडी की जानकारी देने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करना।

कृषि निर्यात को बढ़ावा: FPOs को वैश्विक बाजारों से जोड़ना, ताकि किसानों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर मूल्य मिल सके।

FPOs भारतीय कृषि क्षेत्र के लिए परिवर्तन का महत्वपूर्ण साधन हैं। यह न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक हैं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और संगठित भी बनाते हैं। हालांकि चुनौतियां मौजूद हैं, लेकिन उचित सरकारी सहयोग, निजी निवेश और किसानों की सक्रिय भागीदारी से FPOs को एक सशक्त और टिकाऊ मॉडल बनाया जा सकता है। इससे भारत की कृषि न केवल राष्ट्रीय स्तर पर, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी पहचान बना सकेगी।

जैव विविधता का महत्तवपूर्ण हिस्सा पेंगुइन

योगेश कुमार गोयल

पेंगुइन ऐसा खूबसूरत पक्षी है जो पंखों के बावजूद उड़ नहीं पाता लेकिन पानी में बेहद तेज तैराक होता है। माना जाता है कि पेंगुइनों ने लाखों वर्ष पहले उड़ने की क्षमता खो दी थी। शक्तिशाली फ्लिपर्स और सुव्यवस्थित शरीर उन्हें बहुत अच्छा तैराक बनाते हैं। यह सबसे तेज तैरने और सबसे गहरा गोता लगाने वाली पक्षी प्रजाति है। वर्तमान में जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण तथा मानव गतिविधियों के कारण इस खूबसूरत पक्षी की कई प्रजातियां भी संकटग्रस्त हैं।

दुनिया भर में पेंगुइन की कुल 18 प्रजातियां पाई जाती हैं, जो स्फेनिस्कीनाई उप-परिवार के अंतर्गत आती हैं। इनमें 'एडेली पेंगुइन', 'दक्षिणी रॉकहॉपर पेंगुइन' और 'मैकरोनी पेंगुइन' प्रमुख रूप से शामिल हैं। पेंगुइन की 18 प्रजातियों में से 11 प्रजातियां अब संकटग्रस्त अथवा विलुप्तप्राय : की श्रेणी में आती हैं। पेंगुइन की आबादी प्रति वर्ष खतरनाक दर से घट रही है, और दुनिया के अधिकांश लोग इस बात से इसीलिए अनजान हैं क्योंकि उन्हें अपने प्राकृतिक आवास में पेंगुइन देखने को नहीं मिलते। पेंगुइन की 72 प्रतिशत प्रजातियों की आबादी घट रही है, और 5 प्रजातियां लुप्तप्राय मानी जाती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि बेहतर सुरक्षा और संरक्षण उपायों को लागू नहीं किया गया तो इन प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा है। आईयूसीएन ने पेंगुइन की अनेक प्रजातियों को संकटग्रस्त की श्रेणी में सूचीबद्ध किया है। यही कारण है कि पेंगुइन की सुरक्षा के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और स्थानीय संगठन प्रयासरत हैं, और 2000 से प्रति वर्ष 20 जनवरी को 'पेंगुइन जागरूकता दिवस' भी मनाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य पेंगुइन के संरक्षण और उनके आवासों की सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह दिवस पेंगुइन संरक्षण को बढ़ावा देने के प्रयास में पेंगुइन के आवासों की सुरक्षा पर जोर देता है।

जलवायु परिवर्तन के चलते बर्फ की चादर पिघलने और समुद्री तापमान में वृद्धि होने के कारण पेंगुइन के प्रजनन स्थल और भोजन के स्रोत प्रभावित हो रहे हैं। विषाक्त प्लास्टिक, मछली पकड़ने, तेल रिसाव, आवास विनाश और पर्यटन जैसी तेजी से बढ़तीं मानवीय गतिविधियों के कारण भी पेंगुइन के आवासों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। समुद्र में 'लेर्पड सील' और ऑर्का जैसे शिकारी भी पेंगुइन के लिए खतरा बनते हैं। पेंगुइन अपने बच्चों को अंटार्कटिका की बर्फ पर पालते हैं, लेकिन जलवायु परिवर्तन के कारण वे खतरे में हैं। अमेरिका में 'सेंटर फॉर बायोलॉजिकल डायर्वसटी' के जलवायु विज्ञान निदेशक शाय वुल्फ का कहना है कि पेंगुइन का अस्तित्व इस पर निर्भर करता है कि जलवायु परिवर्तन के खिलाफ सरकार क्या ठोस कदम उठाती है। अमेरिकी सरकार का मानना है कि जलवायु परिवर्तन इन पक्षियों के असफल प्रजनन का बड़ा कारण बन रहा है। वेडेल सागर में हैलीबे कॉलोनी दुनिया में एम्परर पेंगुइन की दूसरी सबसे बड़ी कॉलोनी है। इस कॉलोनी ने कई वर्षो तक समुद्री बर्फ की खराब स्थिति का सामना किया है। ऐसे में 2016 में सभी नवजात चूजे डूब गए थे, जिससे इनकी कॉलोनी को बहुत नुकसान हुआ था। इसीलिए अमेरिकी सरकार चेतावनी दे चुकी है कि एम्परर पेंगुइन को 'अज्रेट क्लाइमेट एक्शन' की सख्त जरूरत है। हालांकि 'वाइल्ड लाइफ एजेंसी' का कहना है कि पिछले 40 वर्षो के उपग्रह डेटा और अन्य सबूतों की जांच से सामने आया है कि पेंगुइन पर फिलहाल विलुप्त होने का तो खतरा नहीं है, लेकिन यदि तापमान इसी तरह बढ़ता रहा तो वह दिन भी दूर नहीं है। 'वाइल्ड लाइफ एजेंसी' द्वारा इस पक्षी को पर्यावरण समूह, सेंटर फॉर बायोलॉजिकल डायर्वसटी द्वारा 2011 में लगाई गई एक याचिका की मदद लेकर 'ए डेंर्जड स्पीशीज एक्ट' के तहत रखा गया है।

बहरहाल, बढ़ते तापमान के कारण समुद्री बर्फ पिघल रही है, जिससे पेंगुइन की प्रजनन और भोजन खोजने की क्षमता प्रभावित हो रही है। समुद्रों में प्लास्टिक और अन्य प्रदूषण पेंगुइन के लिए बड़ा खतरा बन रहे हैं। पेंगुइन अक्सर प्लास्टिक को भोजन समझ कर निगल लेते हैं, जिससे उनकी मृत्यु हो जाती है। अत्यधिक मछली पकड़ने के कारण पेंगुइन के लिए भोजन की उपलब्धता कम हो रही है। पर्यावरणविद् जलवायु परिवर्तन के कारण अंटार्कटिका में रहने वाले एम्परर और एडेली पेंगुइन को लेकर तो बेहद चिंतित हैं क्योंकि उनका मानना है कि दो डिग्री तापमान परिवर्तन के साथ इन्हें आवास की गंभी समस्या का सामना करना पड़ सकता है। पेंगुइन न केवल पृथ्वी की जैव विविधता का महत्त्वपूर्ण हिस्सा हैं, बल्कि समुद्री खाद्य श्रृंखला का भी महत्त्वपूर्ण अंग हैं, जो समुद्री पारिस्थितिक तंत्र का स्वास्थ्य बनाए रखने में मदद करते हैं। काले और सफेद रंग के उड़ने में असमर्थ पंख वाले खूबसूरत पेंगुइन पृथ्वी के सबसे प्यारे और अद्भुत जीवों में शुमार हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा के लिए सामूहिक प्रयास किए जाने जरूरी हैं ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इन अद्वितीय पक्षियों की सुंदरता और विशिष्टता का आनंद ले सकें।

(ये लेखक के विचार हैं)

महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर लगाम कैसे

भारत के शीर्ष तीन शहरों में बेंगलूरु को महिलाओं के लिए सामाजिक व औद्योगिक समावेश में उत्कृष्टता प्राप्त करने वाला माना गया है।

तमिलनाडु के आठ शहरों को इस सूची में स्थान प्राप्त हुआ, जिसमें कामकाजी महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित, समावेशी शहरों में दूसरे नंबर में राज्य की राजधानी चेन्नई है। जो बीते साल के सर्वेक्षण में पहले पायदान पर थी। लिंग समावेशी क्षेत्र के तौर पर 25 में से 16 शहर दक्षिण भारत के हैं। यह सर्वेक्षण महिलाओं के कामकाज, उनकी रहने की जगहों, आगे बढने् के तरीकों के आधार पर किया गया।

कोयंबटूर, तिरुचिरापल्ली, वेल्लोर, मदुरै, सेलम, इरोड, तिरुप्पुर भी इस सूची में शामिल हैं। देश में महिलाओं के लिए शीर्ष शहरों के सूचकांक, आदर्श शहरों व सवरेत्तम चलन की पहचान करता है। महिलाओं की प्रगति और उन्हें आग बढने् के मार्ग प्रशस्त करने में शहरों के मूल सिद्धांतों व सांस्कृतिक ताने-बाने की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। मुख्मंत्री एमके स्टालिन का दावा है कि भारत की औद्योगिक महिला कार्यबल का चालीस प्रतिशत हिस्सा तमिलनाडु से आता है।

देश में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों पर लगाम कसने में बुरी तरह असफल सरकारों के लिए इस तरह के अध्ययन फौरी तौर पर राहत दे सकते हैं। मगर हकीकत यही है कि देश भर में प्रतिवर्ष तकरीबन चार लाख से अधिक मामले महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों के दर्ज होते हैं।

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार हर पंद्रहवें मिनट में बलात्कार की घटना दर्ज होती है, जिसमें राजस्थान शीर्ष पर है, उप्र-मप्र क्रमश दूसरे-तीसरे स्थान पर हैं। कामकाजी महिलाओं के खिलाफ कार्यस्थल पर होने वाले शोषण के खिलाफ कानून लागू होने के बावजूद सुरक्षित वातावरण मिलना बेहद दुष्कर है। हालांकि उक्त सर्वेक्षण में अध्ययन के लिए चुने गए शहरों के परिवेश व सांस्कृतिक महत्त्व को भी देखा जाना जरूरी है। क्योंकि दक्षिण के राज्यों में उत्तर की बनिस्पत शिक्षा अधिक है और लैंगिक विषमता भी कम है। असल सवाल यह होना चाहिए कि महिलाओं के लिए सुरक्षित शहरों के तौर-तरीकों को अन्य राज्य सरकारें भी अपनाने का प्रयास करें। इससे महिला कार्य-बल की क्षमता भी बढ़ सकती है, वे उत्कृष्टतापूर्ण नतीजे देने में सफल होंगी, जो राष्ट्र की उन्नति व समृद्धि में महती भूमिका निभा सकता है।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

विशाल ज्वेलर्स
BIS - 916
100% Hallmarked
आभूषण लेना तो हॉलमार्क लेना
नया सराफा, जवाहर चौक, दुर्ग
मो.-9827906406

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

KJ कांतिलाल ज्वेलर्स
सोने, चांदी एवं गोल्ड जेवरों के निर्माता एवं विक्रेता
सदर बाजार, दुर्ग, 0788-2210274, 4038274
40 ,आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई, फोन: 4060274
Kantilal_jewel@yahoo.com

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

खास खबर

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आमजनों की समस्याएं, निराकरण के दिए निर्देश

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, रोजगार दिलाने, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 131 आवेदन प्राप्त हुए। बोरसी निवासी कृषक ने सड़क से लगी कृषि भूमि से वर्षाजल निकासी की व्यवस्था के लिए आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि जल निकासी हेतु सड़क पर लगी पाईप की सतह खेत की सतह से 9.5 सेमी. ऊंची है, जबकि सड़क 2.5 फीट ऊंची है जिससे भूमि का वर्षा जल खेत से होकर मेड़ से छलक कर नीचे की ओर नदी में चला जाता है। मेड़ छोटी है और सड़क ऊंची है। सड़क में लगी पाईप से वर्षाजल का निकासी त्वरित नहीं हो पाता है, जिससे खेत में जल भराव होने से फसलों को नुकसान होता है। चूँकि गांव तीन ओर से शिवनाथ नदी और एक ओर नाला के बाढ़ के पानी से घिरा हुआ है। इस पर कलेक्टर ने सीईओ जनपद पंचायत दुर्ग को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

बार एवं राड मिल में घर से घर तक कार्यक्रम का आयोजन

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के बार एवं रॉड मिल द्वारा एक अनूठी एवं अभिनव, सुरक्षा पहल घर से घर तक कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया है। इसी क्रम में विगत दिनों बार एवं राड मिल के ठेका श्रमिकों के परिवार के उत्साहवर्धन एवं जागरूकता बढ़ाने हेतु घर से घर तक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके तहत विभाग ने सुरक्षा पर संवाद हेतु 100 ठेका श्रमिकों को उनके परिवार के सदस्यों के साथ मानव संसाधन विकास केंद्र में आमंत्रित किया। घर से घर तक, पहल का उद्देश्य ठेका श्रमिकों को कार्यस्थल पर जोखिमों और खतरों के प्रति संवेदनशील बनाना है। बीआरएम अपने कर्मियों की सुरक्षा हेतु अनेक पहल कर रहा है और अपने सभी कार्मिकों को काम करने के सुरक्षित तरीके अपनाने के लिए, संवाद करने एवं प्रोत्साहित करने के नए तरीके अपना रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विभागाध्यक्ष एवं मुख्य महाप्रबंधक योगेश शास्त्री ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में इस्पात उद्योग में कार्य की प्रकृति और सुरक्षा के महत्व के बारे में प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य बीआरएम में दिन-प्रतिदिन के काम में सुरक्षा के महत्व पर जोर देना और परिवारों को सुरक्षा उत्कृष्टता की यात्रा में शामिल करना है। उन्होंने इस्पातकर्मी के जीवन को सुरक्षित, निश्चिंत एवं सहज बनाने मे उनके जीवनसाथी की प्रेरणादायी एवं सहभागिता की भूमिका को रेखांकित किया। शास्त्री ने कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ठेका श्रमिकों की भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सभी ठेका श्रमिकों को कवर किए जाने तक ऐसे और सत्र आयोजित किए जाएंगे।

दुर्ग निगम के महापौर के लिए एक ने लिया पर्चा पार्षद पद के लिए 30 लोगों ने खरीदा नामांकन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव की घोषणा के साथ की बुधवार से नामांकन प्रक्रिया शुरू कर दी गई। दुर्ग जिले में दुर्ग नगर निगम के साथ की कुम्हारी नगर पालिका, पाटन व उतई नगर पंचायत के लिए भी चुनाव होने है। नामांकन के पहले दिन दुर्ग नगर निगम के महापौर पद के लिए एक और पार्षद पद के लिए 30 लोगों ने नामांकन फॉर्म खरीदा। इसके साथ ही नगर पंचायत के लिए भी नामांकन फॉर्म खरीदे गए। वहीं भिलाई में उपचुनाव के लिए एक अभ्यर्थी ने नामांकन पत्र खरीदा। दुर्ग कलेक्टोरेट में निगम, पालिका व नगर पंचायतों के लिए नामांकन फार्म खरीदने की अलग अलग व्यवस्थाएं की गई। अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई। नामांकन के पहले दिन दुर्ग नगर निगम में महापौर के लिए एक व पार्षद के लिए 30 लोगों ने फार्म खरीदा। अभी तक भाजपा व कांग्रेस ने अपने प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की लेकिन दोनों दलों के लोगों ने फार्म खरीदा है और भरने की भी तैयारी है।

पालिका व पंचायत चुनाव के भी फार्म लिए गए

नगर पंचायत पाटन की बात करें तो यहां अध्यक्ष पद के लिए 2 लोगों ने नामांकन फॉर्म खरीदे। वहीं पार्षद पद के लिए एक सहित कुल 3 फॉर्म बिके। उतई नगर पंचायत की बात करें तो पहले दिन यहां अध्यक्ष पद के लिए 1 फॉर्म और पार्षद पद के लिए 4 फॉर्म बिके। इस तरह पहले दिन यहां कुल 5 फॉर्म खरीदे गए। नगर पालिका कुम्हारी की बात करें तो यहां अध्यक्ष पद के लिए अभी किसी ने भी दावेदारी नहीं की। यहां नामांकन पत्र खरीदने के पहले दिन पार्षद पद के लिए 2 फॉर्म खरीदे गए।

महापौर का नामांकन फार्म 20 हजार रुपए

नामांकन शुरू होने के बाद महापौर के लिए सर्वाधित 20 हजार रुपए शुल्क निर्धारित किया गया है। इसी तरह किसी भी वर्ग की महिलाओं के लिए भी महापौर के लिए नामांकन का शुल्क 10 हजार रुपए है। वहीं पार्षद के लिए नामांकन फॉर्म की कीमत 5 हजार रुपए है। सभी वर्ग में महिला अभ्यर्थियों के लिए 2500 रुपए नामांकन शुल्क तय किया गया। यदि कोई महापौर प्रत्याशी एसटी, एससीऔर ओबीसी वर्ग के लिए नामांकन फ ॉर्म खरीदेगा तो उसकी कीमत 10 हजार रुपए हैं। जाति प्रमाण दिखाने पर ही नामांकन फ ॉर्म की कीमत आधी देनी पड़ेगी। एसटी, एससीऔर ओबीसी वर्ग से जाति प्रमाण पत्र लाने पर पार्षद पद के प्रत्याशी के लिए नामांकन की कीमत 2500 रुपए है।

आपराधिक तत्वों की धरपकड़

गड़बड़ी फैलाने वाले आपराधिक तत्वों की धरपकड़ प्रारंभ कर दी जाए, ताकि निर्वाचन कार्य शांतिपूर्वक एवं निर्विघ्न संपन्न हो सके। आदतन अपराधी गुण्डा एवं सांप्रदायिक दंगा फैलाने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही तत्काल प्रभाव से अमल में लाया जाये। विभिन्न न्यायालयों से प्राप्त वारंट्स की तामिली अभियान चलाकर पूर्ण की जाए एवं अपराधियों को हिरासत में लिया जाए, चूंकि इस प्रकार गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की जानकारी छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग रायपुर को प्रतिदिन दी जानी होगी। जिन व्यक्तियों की धरपकड की जाती है तो उनकी जानकारी जिला निर्वाचन कार्यालय को अनिवार्य रूप से देना होगा ताकि उसकी सूचना छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग, रायपुर को दी जा सके।

नगरीय निकाय त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2025 के दौरान कानून-व्यवस्था बनाये रखने दिशा-निर्देश जारी

कानून व्यवस्था का दैनिक प्रतिवेदन

निर्वाचन प्रकिया प्रारंभ होने से लेकर मतगणना की समाप्ति तक प्रतिदिन कानून व्यवस्था संबंधित प्रतिवेदन जिला कार्यालय से छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग रायपुर को नियमित रूप से भेजना होगा। इस हेतु अपराधिक तत्वों के विरूद्ध की गई प्रतिबंधात्मक कार्यवाही का विवरण, वाहनों की जांच, अवैध शराब बिकी को रोकने के लिए की गई कार्यवाही, अवैधानिक हथियार एवं अन्य आग्नेय शस्त्रों की जब्ती, कार्यवाही का विवरण, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रदत्त अधिकारों के उल्लंघन प्रकरणों का विवरण, सीमावर्ती चौकी पर हुई जांचों में जब्त किए गए हथियार, शराब, विस्फोटक पदार्थों का विवरण तथा वाहनों में जा रहे असामाजिक तत्वों के विरूद्ध की गई कार्यवाही का विवरण, संपत्ति विरूपण की घटनाओं का विवरण, चुनाव से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण या हिंसक घटनाएं, अन्य महत्वपूर्ण विश्लेषण जिससे कि यह पता चल सके कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए कानून व्यवस्था की स्थिति अनुकूल है।

संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर सतर्कता

जिले के संवेदनशील केन्द्रों की सूची बनाई जा चुकी है। चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची अंतिम होने के बाद इस बात का पुनः परीक्षण कर लिया जाए कि किसी क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की स्थिति को देखते हुए कोई नया मतदान केन्द्र पहले की अपेक्षा ज्यादा संवेदनशील तो नहीं बन गया हो, यदि ऐसा पाया जाता है तो ऐसे केन्द्रों का विवरण भी आप तत्काल जिला दण्डाधिकारी, उपजिला निर्वाचन अधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक को लिखित में दें ताकि उन केन्द्रों पर समय रहते उचित सुरक्षा का प्रबंध किया जा सके।

जुलूस तथा आम सभा का विनिमयन तथा नियंत्रण

निर्वाचन अवधि में विभिन्न प्रत्याशियों अथवा राजनैतिक दलों द्वारा कई स्थानों पर राजनैतिक दलों द्वारा जुलूसों और आम सभा का आयोजन किया जाता है। आदर्शआचरण सहिंता का पालन करते हुए आयोजकों को ऐसे जुलूस तथा आमसभा के आयोजन के पूर्व सक्षम प्राधिकारी जो कि अनुविभागीय दण्डाधिकारी/उप पुलिस अधीक्षक है से पूर्व अनुमति लेनी होगी। जूलूस तथा आम सभा के लिए अनुमति देते समय इस बात का ध्यान रखा जाये कि उसे अनुमति देने से उस क्षेत्र में कानून व्यवस्था की स्थिति में बाधा तो उत्पन्न नहीं होगी। यदि एक दिन, एक ही समय एक तथा एक ही स्थान पर एक से अधिक प्रत्याशी या राजनैतिक दलो के द्वारा सभा करने या जुलूस निकालने की अनुमति चाही जाती है ऐसे आवेदन एक ही समय प्रस्तुत होते हैं तो प्राधिकृत प्राधिकारी को चाहिए कि संबंधित आवेदकों को समक्ष में बुलाकर समझाईश देकर समय एवं स्थान को पृथक कराएं।

निःशुल्क कैंसर जांच एवं परामर्श शिविर का हुआ आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र एवं बालको मेडिकल सेंटर, नवा रायपुर के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय निःशुल्क कैंसर जाँच एवं परामर्ष शिविर का आयोजन 20 जनवरी 2025 को क्लब हाउस, बी ब्लॉक, तालपुरी ट्विनसिटी इंटरनेषनल कॉलोनी, भिलाई में किया गया।

भिलाई इस्पात संयंत्र ने अपनी निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियों के तहत अनूठी पहल करते हुए बालको (भारत एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड) के साथ मिलकर क्षेत्र के रहवासियों को कैंसर के लक्षण, कारण तथा इसके उपचार हेतु जागरूक करने के उद्देश्य से षिविर का आयोजन किया।

इस शिविर में कैंसर रोग विषेषज्ञ डॉ अजीत अग्रवाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विनीता द्विवेदी, महाप्रबंधक षिवराजन, वरिष्ठ प्रबंधक सुशील कामड़े तथा मेडिकल स्टाफ सहित सीएसआर कर्मी उपस्थित थे। इस एकदिवसीय षिविर में थर्मल स्क्रीनिंग, पेप टेस्ट, मैमोग्राफी टेस्ट, मुख कैंसर परीक्षण आदि तकनीकों द्वारा कैंसर की प्रारंभिक जांच की गई। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन करते हुए सीएमओ डॉ विनीता द्विवेदी ने कैंसर जाँच एवं परामर्ष शिविर के उद्देष्य व इसकी उपयोगिता से लोगों को अवगत कराया। षिविर के दौरान शरीर के विभिन्न अंगों में पाए जाने वाले कैंसरों के लक्षण व इनकी पहचान तथा प्रारंभिक जांच पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई व लोगों द्वारा पूछे गए शंकाओं का निवारण भी किया गया। इस षिविर में शिवराजन ने सभी अतिथियों का स्वागत किया एवं सुशील कुमार कामड़े ने आभार व्यक्त किया। वार्ड सदस्य श्रीमती सविता धवस और उनकी टीम ने कैंप के आयोजन में महत्वपूर्ण सहयोग किया। ज्ञात हो कि भिलाई इस्पात संयंत्र अपने आस–पास के परिधीय क्षेत्रों में, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की निःशुल्क सुविधा काफी लंबे समय से उपलब्ध कराता आ रहा है। जिसके अंतर्गत दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा भी समय–समय पर उपलब्ध करावाई जाती है।

14 लाख का मकान मात्र 3 में लाख में अच्छे लोकेशन पर प्रधानमंत्री आवास का आबंटन किया जायेगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शासन की जनकल्याणकारी योजनों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवासहीन हितग्राहियों को आवास का आबंटन किया जा रहा है। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में ऐसे नागरिक जो झुग्गी एवं गैर झुग्गी बस्ती में निवास करते है या जो किराये के मकानों पर अपना जीवन निर्वहन कर रहे है। उन नागरिको को प्रधानमंत्री आवास योजना से निर्मित मकानो का सुविधा दिया जाता है।

यह मकान अच्छे लोकेशन पर अगर हम प्राइवेट बिल्डर से खरीदेंगे 13 से 15 लाख में मिलेगा जिसको शान द्वारा 3 लाख में दिया जा रहा है । इसकी दिवाली कंक्रीट की बनी है। खीला तक नहीं घुसता है। 2 किलोमीटर पर मॉल, शंकराचार्य इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज अस्पताल, पुलिस थाना, बाजार, सड़के, पहुंच मार्ग, खेलकूद की सुविधा, लाइट, पानी, अटैक किचन, लैट्रिंग ,बाथरुम सब कुछ उपलब्ध है। शासन द्वारा जिनके पास स्वयं का मकान नहीं है वे इस योजना का लाभ ले सकते है। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने भिलाई क्षेत्र के आवासहीन नागरिको से कहा है, कि जिन हितग्राही के पास स्वयं का मकान नहीं है, उन्हे प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शासन के नियमानुसार मकान का आबंटन किया जा रहा है। मकान प्राप्त करने के लिए महत्वूपर्ण दस्तावेज जैसे– नागरिक 31 अगस्त 2015 से पूर्व निवासरत हो जिनका (मतदाता सूची/किरायानामा/निवास प्रमाण/जनगणना 2011 की सूची में नाम), हितग्राही का भारत में कहीं भी पक्का मकान न हो, परिवार की वार्षिक आय 3 लाख से अधिक न हो। जिन हितग्राही के पास सभी दस्तावेज हो वह हितग्राही इस योजना का लाभ ले सकते है।

माइल स्टोन स्कूल के पास खम्हरिया में प्रधानमंत्री आवास का निर्माण किया गया है। जिसमें 521 परिवारो को आवास दिया जायेगा। एक मकान की लागत 4.48 लाख है, जिसमें केन्द्र शासन का अंशदान 1.50 लाख एवं हितग्राही अंशदान 2.98 लाख है। जो हितग्राही 2.98 लाख का 10 प्रतिशत अंशदान की राशि जमा करते है उन्हे ही लाटरी में शामिल कर मकान का आबंटन किया जायेगा। वरिष्ठ एवं दिव्यांगजन आवेदको के लिए भू–तल के आवास आरक्षित रखा गया है। हितग्राही अपनी इच्छा के अनुरूप आवेदन कर आवास का लाभ उठावें।

सीमा सुरक्षा बल के आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत 7वां जत्था चंडीगढ़ रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। 16 वें आदिवासी युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम के तहत बुधवार को कांकेर के अति दुर्गम एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्रों से 20 आदिवासी युवा लड़के एवं 20 युवा लड़कियों के सातवें जत्थे को रायपुर रेलवे स्टेशन से चंडीगढ़ के लिए रवाना किया गया। सीमा सुरक्षा बल के पुरूष सुरक्षा अधिकारी और महिला सुरक्षा अधिकारी भी इनके साथ रवाना हुए। ये जत्था चंडीगढ़ में भारत के विभिन्न राज्यों के अन्य आदिवासी युवाओं से मिलकर अन्य राज्यों की संस्कृति से रूबरू होगा।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत आदिवासी युवक एवं युवतियों को उनके उज्वल भविष्य तथा अधिकार के बारे में उचित व उपयुक्त जानकारी प्रदान की जायेगी, साथ ही साथ अन्य राज्यों से भाग लेने वाले युवक–युवतियों के बीच मेल–मिलाप बढ़ेगा, जिससे वे एक–दूसरे के खान–पान, रहन–सहन, सांस्कृतिक गतिविधियाँ एवं वेशभूषा से रूबरू होंगे। इस कार्यक्रम में सभी राज्यों के स्थानीय लोक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जायेगी। साथ ही चंडीगढ़ के प्रसिद्ध, दर्शनीय एवं सांस्कृतिक महत्व के स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा।

प्रत्येक आदिवासी युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम की अवधि 07 दिन है। छत्तीसगढ के कांकेर और नारायणपुर जिले में तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के नक्सल प्रभावित इलाके से इस वर्ष कुल 13 भ्रमण कार्यक्रमों के अंतर्गत 18 से 22 वर्ष आयु वर्ग के 500 चयनित युवा भाग ले रहे है। इस आदिवासी युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम की प्रमुख गतिविधियों में संवैधानिक अधिकारियों और प्रतिष्ठित व्यक्तियों के साथ संवाद सत्र, पैनल चर्चा, व्याख्यान सत्र, भाषण प्रतियोगिता, कैरियर संबंधी मार्गदर्शन, चल रहे खेल आयोजनों के बारे में जानना शामिल है। इसके अलावा प्रतिभागी चंडीगढ़ के उद्योगों एवं सुरक्षा बलों के कैम्पों का भ्रमण करेंगे। इस कार्यक्रम के सातवें जत्थे को चंडीगढ़ रवाना करते हुए आईजी सिंहसीमा सुरक्षा बल, सीमांत मुख्यालय (विशेष संक्रिया) भिलाई आनंद प्रताप व डीआईजी अजय अग्रवाल ने बधाई व शुभकामनाएं दीं।

ताज दरबार में तकरीर और लंगर 27 को

भिलाई। हजरत बाबा ताजुद्दीन औलिया रहमतुल्लाह अलैहि का जन्मदिन 27 जनवरी सोमवार को ताज दरबार नानी अम्मा जीई रोड नगर निगम पानी टंकी के पास साक्षरता चौक के सामने पूरी शानो–शौकत के साथ मनाया जाएगा। हजरत बाबा ताजुद्दीन औलिया सेवा समिति भिलाई की ओर से इस मौके पर एक रोज का अजीम ओ शान तकरीरी प्रोग्राम रखा गया है। जिसमें 27 जनवरी को दोपहर 2:00 बजे से औरतों के लिए तकरीर रखी गई है। सिमगा की शाहाना कादरी नूरी की कयादत में आलीमा फजिला मोबीन ताजी और आलीमा फजिला चांदनी ताजी की तकरीर होगी। इसके बाद शाम 6:00 बजे से फातिहा ख्वानी और आम लंगर होगा।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

कलेक्टर व एसपी ने वाहन चालकों को दी यातायात के नियमों के पालन की समझाइश

रायपुर। रायपुर में सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह और एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने मंगलवार को पचपेढ़ी नाका ओवरब्रिज पर बिना हेलमेट के वाहन चलाते सवारों को रोककर समझाइश दी। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने और दुर्घटनाओं से बचने के लिए हेलमेट पहनने की आवश्यकता पर जोर दिया।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि हेलमेट सुरक्षा के सबसे महत्वपूर्ण उपायों में से एक है, जो दुर्घटनाओं में गंभीर चोटों से बचाता है। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का पालन करें साथ ही अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा करें। एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने वाहन चालकों से अपील की कि वे अपनी और दूसरों की सुरक्षा के लिए हेलमेट का प्रयोग करें। इस दौरान कई वाहन चालकों ने हेलमेट पहनने की अहमियत को समझा और इसे अपनी आदत में शामिल करने का संकल्प लिया। यह अभियान शहर में सड़क सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने में मदद करेगा और दुर्घटनाओं को रोकने में योगदान देगा।

छात्राओं ने लोक नृत्य की प्रस्तुति से दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

रायपुर। शासकीय दू ब महिला महाविद्यालय में वार्षिकोत्सव के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ किरण गजपाल ने सभी प्रतियोगिताओं का निरीक्षण किया और छात्राओं की सराहना की। दूसरे और तीसरे दिन विभिन्न ललित कला प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। दूसरे दिन ग्रीटिंग कार्ड, थाली सज्जा, मेहंदी, पुष्प सज्जा और केश सज्जा प्रतियोगिता आयोजित की गई। सभी प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

अंतिम दिन समूह गीत, एकल नृत्य और समूह नृत्य प्रतियोगिता हुई। छात्राओं ने बारहमासी, गौरा गौरी, सुआ, पंथी के साथ पंजाबी, राजस्थानी और दक्षिण भारतीय नृत्य प्रस्तुत किया। पूरा ऑडिटोरियम भरा हुआ था और सभी ने प्रस्तुतियों का लुत्फ उठाया। नृत्य संयोजक डॉ. स्वप्निल कर्महे के मार्गदर्शन में प्रतियोगिता पूरी हुई यह कार्यक्रम छात्र संघ प्रभारी डॉ. वैभव आचार्य, सदस्य डॉ. मिनी एलेक्स, डॉ. कल्पना मिश्रा, डॉ. रितु मारवाह और डॉ. प्रीतिबाला जायसवाल द्वारा आयोजित किया गया। नृत्य संयोजक डॉ स्वप्निल कर्महे के मार्गदर्शन में नृत्य प्रतियोगिता पूरी हुई।

दपूम रेलवे ने 200 मिलियन टन लदान का आंकड़ा किया पार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे अपने समर्पित रेलकर्मियों के सम्मिलित प्रयासों से अपने सर्वाधिक लदान करने वाले जोन में से एक होने के खिताब एवं परंपरा को बरकरार रखने की ओर अग्रसर है। अपने ठोस इरादों की बदौलत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने देश के औद्योगिक विकास में योगदान देते हुए नवीन प्रबंधन प्रणाली से वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 के 01 अप्रैल' 2024 से 20 जनवरी' 2025 तक केवल 295 दिनों में 200 मिलियन टन लदान को पूरा किया है, जबकि पिछले वित्तीय वर्षों 2023-24 में 318 दिनों, वित्तीय वर्ष 2022-23 में 345 दिनों तथा वित्तीय वर्ष 2021-22 में 348 दिनों में यह उपलब्धि हासिल की थी । भारतीय रेलवे में 65व इंक्रीमेंटल लोडिंग की भागीदारी के साथ यह दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यह अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है ।

इस अवधि में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा लोड किए गए वस्तुओं में कोयला, क्लिंकर, लौह अयस्क, सीमेंट, स्टील, खाद्यान, रासायनिक खाद, खनिज तेल एवं स्टील कारखानो के लिए कच्चे माल आदि प्रमुख रूप से सम्मिलित है ।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में माल लदान वृद्धि ऐसे समय में देखने को मिल रहा है जब इस रेलवे में आधारभूत संरचनाओं के विकास के लिये रेल लाइनों का दोहरीकरण, तीहरीकरण एवं चौथी लाइन जैसे कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर भी कार्य किये जा रहे है । इस प्रकार आधार संरचना में अभूतपूर्व प्रगति के साथ-साथ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने कोयले एवं अन्य खनिजों के लदान में भी बढ़ोत्तरी कर देश के साथ ही छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था को गति प्रदान की है तथा स्थानीय लोगों की रोजगारपरक क्रियाओं में वृद्धि करने का योगदान दिया है । इस उपलब्धि के पीछे माल लदान में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के प्रमुख सहभागी कोल इंडिया के विभिन्न प्रकल्पों तथा अन्य ग्राहकों के साथ प्रत्येक स्तर पर बेहतर कार्य का भी बड़ा योगदान है। समय समय पर बैठकों के जरिये उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान किया गया है।

भारतीय रेलवे में सर्वाधिक माल ढुलाई करने वाले रेल मण्डल के रूप में विख्यात बिलासपुर रेल मण्डल ने भी पिछले वर्ष की तुलना में 32 दिन पहले ही 150 मिलीयन टन माल ढुलाई के आंकड़े को हासिल किया है। देश के औद्योगिक विकास में योगदान देते हुए, महाप्रबंधक तरुण प्रकाश के कुशल मार्गदर्शन में दक्षिण पूर्ण मध्य रेलवे द्वारा माल लदान के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए उम्मीद की जा रही है कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा माल लदान में नए कीर्तिमान को जल्द ही हासिल कर ली जाएगी। महाप्रबंधक ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए समस्त रेलकर्मियों के प्रयासों की सराहना की है।

प्रयोगशाला में माइक्रोफ्लोरा की विभिन्न प्रजातियों की सूक्ष्मदर्शी से कराई पहचान

अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ समापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शासकीय नागर्जुन स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय रायपुर में 14 से 20 जनवरी 2025 तक हाइड्रोलॉजी तकनीक विषय पर सात दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन प्राणीशास्त्र एवं वनस्पति शास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में हुआ । जिसमे देश, विदेश से अनेक विशेषज्ञयो ने ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से व्याख्यान प्रस्तुत किए। कार्यशाला का उद्देश्य जलीय निकायों के जल की परिस्थितिकी का आकलन, जलप्रबंधन और उपचार के तकनीक के अलावा जलीय जैवविविधताओ का पृथक्करण,उनकी पहचान एवं संरक्षण करना, जलीय एवं स्थलीय परिस्थितिक तन्त्रो के मध्य अंत: क्रियाओं का अध्ययन करना आदि था।

इस कार्यशाला में मैक्सिको से डॉ. एसएसएस शर्मा ने जलीय जंतु रोटीफर के वर्गीकरण, उसकी पहचान एवं शोधपत्र लेखन के साथ लेखन में बरती जाने वाली सावधानियो से अवगत कराया, डॉ. नंदनी शर्मा ने जन्तुप्लवकको का जैवसूचक के रूप मे रोटिफेर्स प्रजाति की भूमिका, रोटिफर की जैवविविधता तथा शोधपत्र लिखने की वैज्ञानिक विधि को बताया। डॉ रेणुमहेश्वरी प्राचार्य नवीन महा. तामासिवनी ने मछलियों में पाए जाने वाले लक्षणों के आधार पर पहचान करने की विधियों से अवगत कराया। डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी ने जलीय माइक्रोफ्लोरा को समझाते हुए प्रयोगशाला में माइक्रोफ्लोरा की विभिन्न प्रजातियों की पहचान सूक्ष्मदर्शी से कराई।

कार्यशाला में डॉ. एमएल नायक ने छत्तीसगढ़ के गांव और शहरों के विभिन्न तालाबो में पाए जाने वाले माइक्रो एवं मैक्रोफाइटोप्लैंकटन की संग्रहण, पहचान एवं वर्गीकरण की विधि को समझाते हुए बताया कि उनके द्वारा छत्तीसगढ़ के विभिन्न तालाबों से 30 फीसदी पादपप्लवक पर काम किये है तथा शेष बचे हुए 70 फीसदी कार्य को कार्यशाला में उपस्थित युवाओं को करने का आव्हान किया। डॉ. संजू सिन्हा ने जन्तुप्लवक के संग्रहण ,एवं पहचान करने की विधि के साथ सूक्ष्मदर्शी से अवलोकन कराया। अ

तिथि वक्ताओं ने उनके द्वारा पादप प्लवक एवं जन्तुप्लवको में किए गए कार्यो की फोटोग्राफ प्रस्तुत किए जिसे देखकर प्रतिभागी प्रेरित हुए। इस दौरान रायपुर नगर में स्थित डंगनिया तालाब का भ्रमण भी किया गया जिसमें, तलाब से पादप प्लवक के सेम्पल निकालने के विधि एवं उपयोग में लाने वाले उपकरणों से अवगत कराया गया। डॉ. अवधेश कुमार श्रीवास्तव ने नीलहरित शैवाल की संरचना एवं उसकी उपयोगिता को विस्तार से बताया।

कनाडा से डॉ सुमोना गुहा ने बैक्टेरिया ई. कोलाई के संरचना एवं विशेषताओं को बताया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अमिताभ बैनर्जी ने प्रतिभागियो से फीडबैक लेकर कार्यशाला की उपयोगिता को समझाने का प्रयास किया। कार्यशाला समापन के अवसर में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. आर दीवान, डॉ. अविनाश कुमार शर्मा, डॉ. रेणुमहेश्वरी एवं कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे प्रभारी प्राचार्य डॉ. एस के पटले उपस्थित थे।डॉ सुनीता पात्रा ने सात दिन चले कार्यशाला का प्रतिवेदनप्रस्तुत किया एवं डॉ.वी के. कानूनगो ने आभार प्रदर्शन किया। इस कार्यशाला में लगभग 300 से अधिक प्राध्यापक,विद्यार्थी, रिसर्च स्कॉलर विभिन्न स्थानों से ऑनलाइन एवं ऑफ़लाइन मोड पर जुड़े विभिन्न प्रतिभागियों ने कार्यशाला को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

वहीं कार्यक्रम के शुरुआत से लेकर कार्यक्रम के सफल समापन में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. प्रीति मिश्रा, डॉ. संगीता बाजपेयी, डॉ. एनबी सिंह, डॉ. इंदुमेन्ड्रिक, डॉ. शशि गुप्ता, गुंजन ओझा, डॉ. कृतिका ज्योति नामदेव, डॉ. दीक्षा खरे, सतीश रामटेके, जगमोहन साहू, रेणुका सिन्हा आदि का विशेष योगदान रहा।

भारतीय वायुसेना में अग्निवीर भर्ती के लिए ऑनलाइन पंजीयन 27 तक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय वायुसेना में अग्निवीर भर्ती हेतु ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जा रहे हैं। उप संचालक, जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र धमतरी ने बताया कि इसके लिए ऑनलाईन पंजीयन 27 जनवरी 2025 तक है। सभी अविवाहित महिला-पुरुष जिनका जन्म 01 जनवरी 2005 से 01 जुलाई 2008 के मध्य हुआ है, वे ऑनलाईन पंजीयन हेतु पात्र है। आवेदक किसी भी केन्द्रीय अथवा राज्य शासन द्वारा मान्यता प्राप्त संस्था अथवा बोर्ड से गणित, भौतिक एवं अग्रेजी विषयों के साथ 50 प्रतिशत एवं अंग्रेजी विषय में 50 प्रतिशत अंकों के उत्तीर्ण अथवा इंजीनियरिंग में 03 वर्ष का डिप्लोमा 50 प्रतिशत अंको के साथ ही अंग्रेजी में 50 प्रतिशत अंक हो अथवा किसी भी विषय में 12 वीं 50 प्रतिशत अंकों के साथ एवं अंग्रेजी में 50 प्रशित अंकों के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए। ऐसे सभी आवेदक वायुसेना में अग्निवीर वायु सेना भर्ती के लिए ऑनलाईन आवेदन कर सकते है।

इस संबंध में विस्तृत जानकारी ऑनलाईन पंजीयन हेतु शासन के वेबसाईट https: //agnipath-vayu.cdac.in लॉगिन कर सकते है। रोजगार कार्यालय द्वारा वायुसेना आवेदन पंजीयन की सुविधा दी जा रही है। कार्यालय द्वारा अग्निवीर वायुसेना परीक्षा तैयारी हेतु कोचिंग एवं मार्गदर्शन दिया जाएगा, इच्छुक आवेदक दिए गए गुगल फार्म https://forms.gle/zytoA}gcwQbViNnXA में अपनी व्यक्तिगत जानकारी भरें, ताकि आगामी फरवरी माह से कोचिंग दिया जा सके। आवेदक इस संबंध में रोजगार कार्यालय से व्यक्तिगत रूप से या दूरभाष नं. 0772-2230019 के जरिए जानकारी प्राप्त कर सकते है।

पूर्ण मनोयोग से प्रशिक्षण कार्य ग्रहण करें : कलेक्टर गौरव सिंह

कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को किया संबोधित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के परिप्रेक्ष्य में रेडक्रॉस भवन के सभागृह में मतदान दलों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसे संबोधित करते हुए कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि प्रशिक्षण चुनाव का सबसे महत्वपूर्ण अंग है। जितना अच्छे से आप प्रशिक्षित होंगे उतने अच्छे से आप मतदान कार्य संपन्न कराएंगे। आपको पंचायत के साथ नगरीय निकाय का चुनाव संपन्न कराना है। कलेक्टर ने विश्वास जताते हुए कहा कि इस बार आपको दोहरी जिम्मेदारी है, मगर सभी अधिकारी-कर्मचारी इसे पूरी अच्छे तरीके से संपन्न कराएंगे। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

प्रभारी सचिव ने नशा मुक्ति केन्द्र का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर जिले की प्रभारी सचिव एवं अपर मुख्य सचिव श्रीमती ऋचा शर्मा ने बुधवार को शंकर नगर स्थित नशा मुक्ति केन्द्र संकल्प का निरीक्षण किया। उन्होंने नशा मुक्ति के लिए संस्थान द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह, एसएसपी डॉ लाल उम्मेद सिंह और जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप उपस्थित थे। श्रीमती ऋचा शर्मा ने नशा मुक्ति केन्द्र में भर्ती उपचार्थी से मुलाकात की और कहा कि अपनी ईच्छा शक्ति की सहायता से नशा को अवश्य छोड़े। नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है और उसके साथ परिवार के सदस्य भी परेशान होते है। श्रीमती ऋचा शर्मा, कलेक्टर डॉ गौरव सिंह, एसएसपी डॉ लाल उम्मेद सिंह और जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप ने भोजन की गुणवत्ता भी जानी।

जोन कमिश्नर ने जोन कार्यालय के सभी विभागों का किया औचक निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर नगर निगम जोन 5 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल द्वारा कार्यालयीन दिवस में कार्यालयीन अवधि के दौरान जोन 5 कार्यालय के समस्त विभाग, राजस्व विभाग, स्वास्थ्य विभाग, जल विभाग, नगर निवेश विभाग, लोक निर्माण विभाग, स्थापना शाखा, आवक -जावक शाखा, राशन कार्ड, आधार कार्ड कक्ष में औचक निरीक्षण किया गया। किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गयी, नस्तियों का संधारण , निर्धारित समय में दस्तावेजों का अवलोकन कर प्रकरणों का निराकरण किए जाने के निर्देश दिये गये।कर्मचारियों को कार्य सजग रहकर करने के निर्देश दिये गये। निर्धारित समय पर कार्यालय आने के निर्देश सभी कर्मचारियों को दिये गये। निरीक्षण में कार्यालय के शौचालय एवं आउटडोर में गंदगी पाए जाने पर वार्ड के स्वच्छता निरीक्षक को निरंतर सफाई करवाने का निर्देश दिया गया।जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल ने निरीक्षण के दौरान जोन 5 के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नगरीय निकाय निर्वाचन 2025 हेतु प्रभावशील आदर्श निर्वाचन आचार संहिता का शत-प्रतिशत परिपालन करने के निर्देश दिए।

पुष्पा-3 में क्या नजर आएंगी आंचल मुंजाल, कहा-रोल कटने पर निराश थी, पर छोटे रोल में मिला रिस्पांस

5 दिसंबर 2024 को बड़े पर्दे पर रिलीज हुई अल्लू अर्जुन की ब्लॉकबस्टर फिल्म पुष्पा- द रूल अभी भी चर्चा में बनी हुई है और यह साल 2024 की सबसे ज्यादा अर्निंग करने वाली फिल्म भी बनी हैं। अब फैंस इसके ओटीटी रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच पुष्पा 3 के बारे में भी नई-नई अपडेट सामने आ रही है। वैसे तो पुष्पा 2 में अल्लू अर्जुन रश्मिका मंदाना, फहाद फासिल जैसे कलाकारों ने भूमिका निभाई, लेकिन एक छोटे से किरदार में आंचल मुंजाल भी नजर आई थीं। ऐसे में क्या पुष्पा पार्ट 3 में आंचल मुंजाल की वापसी होगी या नहीं इस पर एक्ट्रेस में खुलासा किया।

आंचल मुंजाल पुष्पा-2 में मालदीव में शूट किया एक हिस्से में नजर आई थीं। अब पुष्पा 3 में उनकी भूमिका के बारे में पूछे जाने पर आंचल ने कहा मुझे यकीन नहीं है कि पुष्पा 3 के लिए क्या योजना बनाई गई है, लेकिन मैं वास्तव में इसका हिस्सा बनने की उम्मीद करती हूं। फैंस मुझे मैसेज भेज रहे हैं और पूछ रहे हैं कि क्या मेरा किरदार इसमें होगा और सचमुच उम्मीद है कि डायरेक्टर चाहे जो भी निर्णय ले यह एक अद्भुत जर्नी होगी।

आंचल ने पुष्पा 2 में काम करने के अपने एक्सपीरियंस के बारे में भी बातें शेयर की, उन्होंने कहा कि हमने तीन सींस शूट किए थे, लेकिन इसमें से दो सीन काट दिए गए। जब मैंने यह फिल्म देखी तो मुझे लगा है भगवान मेरा डायलॉग काट दिया गया, अब लोग पता नहीं कैसी प्रतिक्रिया देंगे? लेकिन मुझे जो प्यार और सराहना मिली वह सचमुच बहुत ही यादगार है। उन्होंने आगे कहा मेरा ध्यान हमेशा सीन के इंपैक्ट पर होता है और मुझे सच में विश्वास है कि यह सीन कहानी को एक इंपॉर्टेंट टर्न देता है। मुझे पुष्पा 2 का हिस्सा बनने पर गर्व है। मैं बस इस फिल्म का हिस्सा बनना चाहती थी और वह मैंने हासिल कर लिया।

वी आर फैमिली, सई, धूम मचाओ धूम और बड़े अच्छे लगते हैं जैसे हिट टीवी शो के लिए जानी जाने वाली आंचल मुंजाल ने सुकुमार की पुष्पा टू द रूल से टॉलीवुड में अपना डेब्यू ... किया।

इस फिल्म में उनके छोटे से रोल को भी खूब पसंद ...या, उन्होंने 18 ...ल पहले अपने ...रियर की शुरुआत की थी और पुष्पा 2 से उन्हें एक बड़ा ... प्लेटफार्म मिला।

छावा से रश्मिका मंदाना का फर्स्ट लुक आउट

महारानी येशूभाई बन छाईं साउथ हसीना

विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना स्टारर पीरियड ड्रामा फिल्म छावा की रिलीज डेट नजदीक आ रही है। बीते दिन फिल्म छावा से विक्की कौशल के फिल्म से तरह तरह के लुक का एक मोशन पोस्टर शेयर किया गया था। फिल्म छावा से रश्मिका मंदाना का फर्स्ट लुक सामने आया है। छावा के मेकर्स मडोक फिल्म्स ने आज रश्मिका मंदाना के अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फर्स्ट लुके पोस्टर शेयर किए हैं। मडोक फिल्म्स ने दो पोस्टर्स शेयर किए हैं, जिसमें रश्मिका येसूबाई भोसले के रोल में दिख रही हैं।

रश्मिका मंदाना फिल्म छावा में छत्रपती संभाजी महाराज के पत्नी के रोल में होंगी, यह रोल विक्की कौशल निभा रहे हैं। वहीं, येसूबाई भोसले में रश्मिका के लुक की बात करें तो वह पूरे श्रृंगार के साथ इसमें दिख रही हैं। पहले तस्वीर में रश्मिका मंदाना मराठी रीति-रिवाज में पहनी जाने वाली साड़ी और हार-श्रृंगार में मुस्कुराती हुई दिख रही हैं। दूसरी तस्वीर में रश्मिका को इंटेंस लुक में देखा जा रहा है। फिल्म से रश्मिका के पोस्टर्स शेयर कर मेकर्स ने लिखा है, हर महान राजा के पीछे, एक शक्तिशाली रानी की मजबूती होती है, पेश है महारानी येशूभाई के रोल में रश्मिका मंदाना, स्वराज्य का गर्व।

बता दें, फिल्म छावा आगामी 14 फरवरी को रिलीज होने जा रही है। वहीं, कल यानि 22 जनवरी को फिल्म का ट्रेलर रिलीज होगा, जिसका विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना के फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। लक्ष्मण उटेकर ने फिल्म छावा का निर्देशन किया है। फिल्म के प्रोड्यूसर दिनेश विजान हैं और दिग्गज संगीतकार एआर रहमान ने फिल्म में संगीत दिया है।

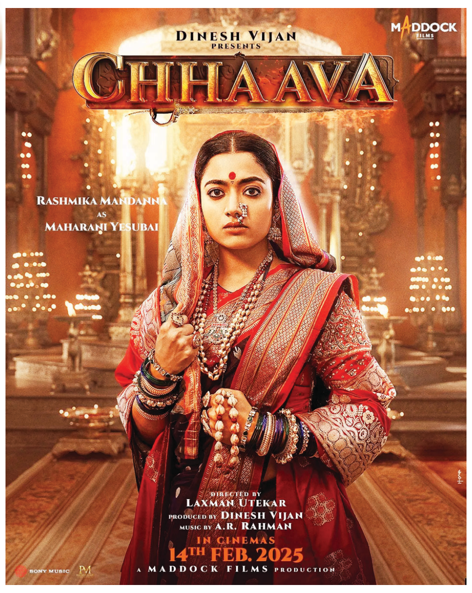

वेस्टर्न आउटफिट में छाया प्रज्ञा जैसवाल का बोल्ड अवतार

एक्ट्रेस की अदाएं देख फैंस हुए दीवाने

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल हमेशा अपने फैशन च्वॉइस को लेकर फैंस के बीच चर्चाओं में रहती हैं। उनका बोल्ड और कातिलाना अंदाज सोशल मीडिया पर पोस्ट होती ही इंटरनेट का तापमान बढ़ा देता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने बेहद ही सेक्सी अंदाज में फोटोशूट करवाया है। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।

अपनी फिटनेस और कातिल अदाओं से फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींचने वाली एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल इन दिनों अपनी हॉटनेस से फैंस को दीवाना बना रही हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक लुक की तारीफ करते नहीं थकते हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाता रहता है।

अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं प्रज्ञा जैसवाल ने सेटिन लुक में रिवीलिंग ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ज्यादा हॉट लग रही हैं। खुले बाल, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने प्रज्ञा जैसवाल ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनके इस लुक को देखकर फैंस एक बार फिर से मंत्रमुग्ध हो गए हैं।

इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कैमरे के सामने अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। प्रज्ञा जैसवाल सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।

परेश रावल की नई फिल्म द स्टोरी टेलर का ऐलान, रिलीज तारीख से भी उठा पर्दा

भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता परेश रावल पिछली बार फिल्म जो तेरा है वो मेरा है में देखा गया था, जिसमें उनकी अदाकारी की जमकर तारीफ हुई। इस फिल्म को आप ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर देख सकते हैं। अब परेश की नई फिल्म का ऐलान हो गया है, जिसका नाम द स्टोरी टेलर है, जिसके निर्देशन की कमान अनंत नारायण महादेवन ने संभाली है।

यह परेश और अनंत के बीच पहला सहयोग है। द स्टोरी टेलर की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है। यह फिल्म सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी का रुख करेगी।

फिल्म का प्रीमियर 28 जनवरी, 2025 से डिज्नी+ हॉटस्टार पर होने जा रहा है। द स्टोरी टेलर का पहला पोस्टर भी सामने आ चुका है, जिसमें परेश समेत तमाम सितारों की झलक दिख रही है। इस फिल्म में परेश के अलावा आदिल हुसैन, तनिष्ठा चटर्जी और अनिंदिता बोस जैसे सितारे भी नजर आएंगे।

मुंबई में ठिकाना ढूंढने भटक रही यामिनी मल्होत्रा सोशल मीडिया पोस्ट में बयां किया अपना दर्द

बिग बॉस 18 की कंटेस्टेंट रहीं यामिनी मल्होत्रा इन दिनों मुंबई में रहने के लिए घर की तलाश कर रही हैं। यामिनी दिल्ली से मुंबई शिफ्ट होना चाहती हैं लेकिन उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। यामिनी ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर कर बताया है कि उन्हें कितनी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

दरअसल, बिग बॉस 18 के बाद यामिनी अब मुंबई में रहना चाहती हैं लेकिन उन्हें रहने के लिए छत नहीं मिल रही है। वह पिछले कई दिनों से घर की तलाश कर रही हैं लेकिन कोई भी उन्हें अपने घर में किराए पर रहने नहीं दे रहा है। इन सब चीजों से परेशान होकर यामिनी ने अब सोशल मीडिया का सहारा लिया है। यामिनी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए बताया है कि उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यामिनी ने सोशल मीडिया पर जो तस्वीर जारी की है उसमें उन्होंने लिखा है कि उन्हें कुछ ऐसा शेयर करना पड़ रहा है जो उनके लिए काफी निराशाजनक रहा है। यामिनी ने लिखा- जितना मैं मुंबई से प्यार करती हूं, यहां फ्लैट मिलना उतना ही मुश्किल होता जा रहा है। मुझसे सवाल पूछे जा रहे हैं कि मैं हिंदू हूं या मुसलमान, गुजराती हूं या मारवाड़ी। जैसे ही लोगों को पता चलता है कि मैं एक्ट्रेस हूं, वे सीधे मना कर देते हैं। यामिनी ने आगे एक सवाल लिखा कि क्या एक्टर होने के नाते मैं घर खरीदने के लायक नहीं हूं। यह बहुत ही आश्चर्यजनक बात है कि साल 2025 में भी लोग आपसे ऐसे सवाल पूछते हैं। क्या हम वाकई मुंबई को सपनों का शहर कह सकते हैं अगर ये सपने कुछ शर्तों पर पूरे हों।

अगर एक महीने तक दूध वाली चाय छोड़ देंगे तो शरीर में दिखेंगे ये बदलाव, यकीन नहीं करेंगे

आजकल ज्यादातर लोगों की सुबह की शुरुआत चाय से होती है. अगर सुबह की शुरुआत एक कप गर्म दूध वाली चाय से होती है तो पूरा दिन फ्रेश- फ्रेश महसूस होता है.

लेकिन क्या आपको पता हैं कि दूध वाली चाय आपकी सेहत पर क्या असर डाल सकती है? अगर आप एक महीने दूध वाली चाय नहीं पीते हैं तो आपके शरीर में किस तरह के बदलाव देखने को मिल सकते हैं आइए जानते हैं एक्सपर्ट से।

अगर आप एक महीने तक दूध वाली चाय नहीं पीयेंगे तो क्या होगा

मोटापा कम हो सकता है

अगर आप एक महीने तक दूध वाली चाय नहीं पीते हैं तो इससे आपका वजन कम करने में मदद मिलेगी। क्योंकि दूध वाली चाय में मौजूद कैलोरी और चीनी वजन बढ़ने का एक बड़ा कारण है। दूध वाली चाय कम करने से आपका कैलोरी का सेवन कम हो जाएगा, जिससे वजन घटाने में मदद मिलेगी।

पाचन में सुधार होगा

दूध वाली चाय में मौजूद कैफीन और टैनिन आपके पाचन को स्लो कर सकते हैं और एसिडिटी की समस्या को बढ़ा सकते हैं। ऐसे में दूध वाली चाय कम पीने से आपका पाचन तंत्र बेहतर हो सकता है और एसिडिटी की समस्या कम होती है।

स्किन हेल्दी और चमकदार दिखेंगे

अगर आप एक महीने तक दूध वाली चाय नहीं पीते हैं तो आपके स्किन हेल्दी और चमकदार दिखते हैं। दूध वाली चाय में मौजूद शुगर त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती है और मुंहासे पैदा कर सकती है। ऐसे में दूध वाली चाय कम पीने से आपकी त्वचा स्वस्थ और चमकदार दिखेगी।

दिल के लिए फायदेमंद

दूध वाली चाय पीने से भी हृदय रोग का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए दूध वाली चाय न पीने से हृदय स्वास्थ्य में सुधार हो सकता है।

चिन्हारी फिल्म फेयर अवार्ड 28 को, 50 कलाकारों का होगा सम्मान

कला, संस्कृति और समाज के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले ऐसे 50 से अधिक कलाकारों को हॉट-स्पॉट टेक्नोलॉजिस एवं दीपयोग सेवा संस्थान के संस्थापक योगेश्वरानंद नेताम अपने स्वर्गीय पिता की स्मृति में 28 जनवरी को दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में चिन्हारी फिल्म फेयर अवार्ड से सम्मानित करने जा रहे है। इसके साथ ही ऐसे 10 लोगों को भी सम्मान किया जाएगा जिन्हें पद्म विभूषण, पद्म भूषण, पद्मश्री व राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हो चुका है।

कार्यक्रम का शुभारंभ शाम को 7 बजे छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव करेंगे, जबकि अध्यक्षता मंत्री ओ.पी. चौधरी जी होंगे। इस अवसर पर भाजपा के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष किरणदेव सिंह, पूर्व मंत्री लता उसेंडी, विधायक राजेश मूणत, मोतीलाल साहू के साथ अन्य गणमान्य नागरिकजनक उपस्थित रहेंगे।

पत्रकारों से चर्चा करते हुए योगेश्वरानंद नेताम बताया कि उनके स्वर्गीय पिता जो कलाकार तो थे ही साथ ही समाज सेवक और पत्रकार भी रहे की इच्छा थी कि समाज एवं कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट करने वालों का सम्मान किया जाए। उनकी इच्छा के अनुसार उन्होंने चिन्हारी फिल्म फेयर अवार्ड - 2025 का आयोजन कर रहे है जिसमें छत्तीसगढ़ी फिल्मों के ऐसे 50 कलाकारों का सम्मान करने जा रहे है जो अपनी कला के जरिए समाज को संदेश दे रहे है।

जनजातीय कार्य मंत्रालय ने जिलाधिकारियों के राष्ट्रीय सम्मेलन में पीवीटीजी के उत्थान के लिए सहयोगात्मक कार्य योजना पर चर्चा की

जिलाधिकारियों का राष्ट्रीय सम्मेलन पीएम जनमन पहल द्वारा जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाने पर केंद्रित

नई दिल्ली (पीआईबी)। जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में आरंभ किया गया प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) भारत सरकार की एक ऐतिहासिक पहल है। इसका उद्देश्य विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों को बेहतर बनाना है। यह योजना सुरक्षित आवास, स्वच्छ पेयजल, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, सड़क और दूरसंचार संपर्क और स्थायी आजीविका सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं प्रदान करती है। यह पक्के घर निर्माण, सचल चिकित्सा प्रणाली की तैनाती, स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों की स्थापना और कौशल विकास कार्यक्रमों के साथ-साथ वन धन विकास केंद्र स्थापित करने जैसी पहल द्वारा दूरदराज के आदिवासी क्षेत्रों में विकास के अंतर को पाटने का प्रयास करता है।

सम्मेलन में प्रमुख विषयगत क्षेत्रों पर चर्चा की गई

1. आवास: मकानों की स्वीकृति और निर्माण में प्रगति
2. सड़कें: सड़क संपर्क परियोजनाओं पर अद्यतन जानकारी
3. पेयजल: गांवों और बस्तियों को पेयजल आपूर्ति मुहैया कराने के ठोस उपाय
4. आंगनवाड़ी: पीवीटीजी बस्तियों में आंगनवाड़ी केंद्रों (एडब्ल्यूसी) का निर्माण और संचालन
5. स्कूल छात्रावास: छात्रावासों की स्वीकृति और निर्माण की प्रगति
6. एमपीसी: बहुउद्देश्यीय केंद्रों (एमपीसी) का विकास और संचालन
7. वीडीवीके: प्रशिक्षण कार्यक्रम, व्यवसाय योजना विकास और संबंधित साजो-सामान वितरण सहित वन धन विकास केंद्रों का संचालन

कार्यक्रम को नौ संबंधित मंत्रालयों/विभागों के सहयोग से तीन वर्षों (2023-24 से 2025-26) के लिए 24,000 करोड़ रुपये के बजट के साथ क्रियान्वित किया जा रहा है। पीएम जनमन को देश के सामाजिक-आर्थिक ढांचे में कमज़ोर जनजातीय समूहों को जोड़ने के प्रयासों में सामने आने वाली चुनौतियों के समाधान के लिए तैयार किया गया है।

जनजातीय मामलों का मंत्रालय, नोडल निकाय के रूप में इसके कार्यान्वयन संबंधी बाधाओं की पहचान और उनके तुरंत समाधान के लिए संबंधित मंत्रालयों और राज्य जनजातीय कल्याण विभाग (पीडब्यूडी) के साथ मिलकर काम कर रहा है। कार्यक्रम के अंतिम वर्ष में प्रवेश करने के साथ ही लाभार्थियों के अधिकतम कल्या)ण, योजना में तेजी लाने और पीवीटीजी ग्रामों और बस्तियों में समुचित लाभ प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

इसी उद्देश्य के लिए मंत्रालय ने 21 जनवरी, 2025 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में पीएम जनमन योजना पर जिलाधिकारियों का एक सम्मेलन आयोजित किया। सम्मेलन में अभियान के छह प्रमुख क्षेत्रों- ग्रामीण विकास (आवास और सड़क), स्कूल छात्रावास, जल जीवन मिशन के तहत पेयजल प्रदान करना, आंगनवाड़ियों के संचालन और बहुउद्देश्यीय केंद्रों (एमपीसी) की स्थापना संबंधी प्रगेति पर ध्यानन केंद्रित किया गया।

जनजातीय मामलों के मंत्रीजुएल ओराम ने अपने आरंभिक भाषण में प्रधानमंत्री जनमन योजना के प्रभावी और व्यापक कार्यान्वयन सुनिश्चित करने में नोडल अधिकारियों के रूप में जिलाधिकारियों की अहम भूमिका पर जोर दिया। जनजातीय मामलों के राज्य मंत्री दुर्गादास उइके ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत की भविष्य दृष्टि को साकार करने में जिला कलेक्टरों और राज्य के अधिकारियों से मंत्रालय की योजनाओं के कुशल क्रियान्वयन को प्राथमिकता देने का आह्वान किया।

जनजातीय मामले सचिव विभु नायर ने योजनाओं को आगे बढ़ाने में अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की और कमियों को जमीनी स्तर पर पूरा करने पर जोर दिया। उन्होंने माननीय प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप यह सुनिश्चित करने पर बल दिया कि सभी आवश्यक सुविधाएं पीवीटीजी समुदायों तक पहुंचे। महिला एवं बाल विकास सचिव अनिल मलिक और ग्रामीण विकास सचिव शैलेश कुमार सिंह ने भी सम्मेलन को संबोधित किया और जिला कलेक्टरों और मजिस्ट्रेटों से जमीनी स्तर पर ठोस कल्यानणकारी परिणाम सुनिश्चित करने को कहा।

सम्मेलन का आरंभ राजस्थान के बारां के जिला कलेक्टर के स्वागत भाषण और समापन आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीतारामाराजू के जिला कलेक्टर के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

सम्मेलन का उद्देश्य पीवीटीजी समुदायों के लिए व्यापक कल्याथणकारी सुविधाएं सुनिश्चित करने में कमियों की पहचान और उनके समाधान करने, सहयोगात्मक शिक्षा और सर्वोत्तम प्रचलन से प्रगति को बढ़ावा देना था। विशेष रूप से सफलता की कहानियों को उजागर करने और विकास की महत्वपूर्ण क्षमता वाले जिलों में सुधार के लिए इसकी रूपरेखा तैयार की गई थी। आयोजन का प्राथमिक उद्देश्य प्रधानमंत्री की भविष्य दृष्टि के अनुरूप मिशन के लक्ष्यों में तेजी लाना और सुनिश्चित करना था कि इसका लाभ जमीनी स्तर तक पहुंचे।

सम्मेलन में राज्य जनजातीय कल्याण विभागों (टीडब्ल्यूडी), जिला मजिस्ट्रेटों और उनकी टीमों की सक्रिय भागीदारी रही, जिसमें समेकित जनजातीय विकास एजेंसियों (पीओ आईटीडीए) के परियोजना अधिकारी और जनजातीय कल्याण की देखरेख करने वाले जिला/राज्य कल्याण अधिकारी (डीएसडब्ल्यूओ/डीडब्ल्यूओ) शामिल थे। प्रत्येक जिले का प्रतिनिधित्व तीन सदस्यों ने किया।

सत्र छह मुख्य क्षेत्रों पर केंद्रित रहा जिन्हें छह समूहों में बांटा गया था। प्रत्येसक सत्र एक विषयगत क्षेत्र से संबंधित था। इन सत्रों का संचालन ग्रामीण विकास मंत्रालय, स्कूली शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, तथा जनजातीय मामलों के मंत्रालय सहित संबंधित मंत्रालयों और विभागों ने किया।

चर्चा के दौरान, मंत्रालयों ने अंतिम कार्य योजनाएं प्रस्तुत कीं। इनमें सभी पीवीटीजी बस्तियों में पूर्ण कल्यांण लक्ष्यक हासिल करने पर जोर दिया गया, ताकि पीएम जनमन योजना संचालन व्याटपक और समावेशी तरीके से सुनिश्चित की जा सके।

सम्मेलन में 18 राज्यों के कुल 88 जिलों के प्रतिनिधि शामिल हुए और पीएम जनमन के कार्यान्वयन के लिए व्यापक कार्य योजना विकसित करने पर चर्चा और विचार साझा किए गए। मुख्य केंद्रित क्षेत्रों में श्रेष्ठर प्रदर्शन करने वाले जिलों ने अपने सर्वोत्तम प्रचलन प्रस्तुत किए, जिससे अन्य जिलों के लिए इनके अनुसरण का अवसर मिलेगा।

सम्मेमलन में प्रतिभागियों के छोटे समूहों की बैठक (ब्रेकआउट सत्रों) के समापन पर भाग लेने वाले मंत्रालयों और विभागों ने समेकित कार्य योजनाएं प्रस्तुत कीं तथा प्रभावी और परिणामोन्मुनखी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने पर विचार-विमर्श किया।

सम्मेलन में कल्याशणकारी लाभ अंतिम छोर तक पहुंचाने, आवश्यक सेवाओं तक जनजातीय समुदायों की पहुंच बढ़ाने, पीवीटीजी सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार लाने और उनकी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम का समापन इस आशा के साथ हुआ कि समुचित उपायों और नीति-से-जमीनी स्तर पर अंतर को प्रभावी ढंग से पाटा जा सकेगा और दूरस्थ एवं वंचित समुदायों तक पहुंचने पर ध्यान केंद्रित करते हुए पीएम जनमन योजना कार्यान्वयन में तेजी आएगी।

केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने खो-खो विश्व कप 2025 की विजेता टीमों को सम्मानित किया

राष्ट्र को गौरवान्वित करने के लिए खिलाड़ियों की सराहना की

नई दिल्ली (पीआईबी)। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने बुधवार को नई दिल्ली में विश्व कप विजेता खो-खो टीमों को सम्मानित किया। इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में 19 जनवरी को पहले खो-खो विश्व कप का खिताब जीतकर भारतीय पुरुष और महिला टीमों ने इतिहास रच दिया। दोनों टीमों ने अपने-अपने फाइनल में नेपाल को हराया। आज पुरुष और महिला खो-खो टीमों की पूरी टीम के साथ-साथ कोच, भारतीय खो-खो महासंघ (केकेएफआई) के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल और मंत्रालय तथा भारतीय खेल प्राधिकरण के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

देश में पारंपरिक खेलों के बारे में बात करते हुए डॉ. मांडविया ने कहा, पारंपरिक खेल लचीलापन, सामुदायिक भावना को दर्शाते हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ये हमारे पारंपरिक खेल मूल्यों को बनाए रखते हैं। दुनिया को इन पारंपरिक खेलों की समृद्धि से बहुत कुछ सीखना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विभिन्न राष्ट्रीय मंचों पर कहा है कि हमें पारंपरिक खेलों को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देना होगा। अब हमारी टीमें न केवल सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रही हैं, बल्कि शानदार प्रदर्शन भी कर रही हैं। मैं अपने खिलाड़ियों के जज्बे और दोनों टीमों के पारंपरिक कौशल की सराहना करता हूं।

वर्ष 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेज़बानी के लिए भारत ने दावेदारी पेश की है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सभी हितधारकों की जीत का सिलसिला जारी रहना चाहिए, जिसका नवीनतम लक्ष्य 2026 एशियाई खेल हैं। हमने खो-खो विश्व कप के आयोजन में शानदार काम किया और हमें यह प्रयास करने की ज़रूरत है कि इन खिलाड़ियों को एशियाई खेलों में खेलने का मौका मिले। सरकार का प्रयास भी खो-खो को 2036 ओलंपिक खेलों में ले जाना है। इसके लिए खिलाड़ियों और कोचों को बेहतर प्रदर्शन करते रहना होगा। महासंघ को अच्छा प्रबंधन करते रहना होगा और खेल मंत्रालय खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने में सहायता और सहयोग करता रहेगा।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित खो-खो विश्व कप 2025 में भाग लेने वाले 23 देशों में से भारत शीर्ष पर रहा। इसका श्रेय काफी हद तक भारतीय खेल प्राधिकरण जेएलएन स्टेडियम में महीने भर चलने वाले शिविर को दिया जाता है। भारतीय महिला खो-खो टीम के मुख्य कोच सुमित भाटिया ने बताया कि 10 दिसंबर को हमने 60 खिलाड़ियों के साथ साई जेएलएन स्टेडियम में शिविर शुरू किया। उनमें से, हमने पुरुष और महिला टीम के लिए 15-15 सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने। टीमों में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक के खिलाड़ी शामिल थे और शिविर ने उन्हें टीम के बीच तालमेल बिठाने में मदद की।

सुमित भाटिया ने कहा, खिलाड़ियों को पहली बार खेल विज्ञान परीक्षण से गुजरना पड़ा और उन्हें भारतीय खेल प्राधिकरण की ओर से सर्वोत्तम आहार और आवास सुविधाएं प्रदान की गईं। इसने आज हमारी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चार साल बाद इंग्लैंड में होने वाले विश्व कप के अगले संस्करण के साथ, हम पोडियम के शीर्ष पर फिर से भारत का झंडा फहराने का प्रयास करेंगे।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने नवंबर 2024 के दौरान 14.63 लाख शुद्ध सदस्य जोड़े

नई दिल्ली (पीआईबी)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने नवंबर 2024 के लिए प्रोविजनल पेरोल डेटा जारी किया है, जिसमें 14.63 लाख सदस्यों का शुद्ध जुड़ाव सामने आया है। अक्टूबर 2024 की तुलना में नवंबर महीने के दौरान शुद्ध सदस्य जोड़ में 9.07 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

इसके अलावा, साल-दर-साल विश्लेषण से पता चलता है कि नवंबर 2023 की तुलना में शुद्ध सदस्य वृद्धि में 4.88 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो रोजगार के अवसरों में वृद्धि और कर्मचारी लाभों के बारे में बढ़ती जागरूकता को दर्शाता है। इसे ईपीएफओ की प्रभावी आउटरीच पहलों से बल मिला है।

नई सदस्यता: ईपीएफओ ने नवंबर 2024 में लगभग 8.74 लाख नए सदस्यों को नामांकित किया। नए सदस्यों की संख्या में पिछले महीने अक्टूबर 2024 की तुलना में 16.58 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। इसके अलावा, साल-दर-साल विश्लेषण से पता चलता है कि नवंबर 2023 में पिछले वर्ष की तुलना में नए सदस्यों के जुड़ने में 18.80 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। नई सदस्यता में इस उछाल का श्रेय रोजगार के बढ़ते अवसरों, कर्मचारी लाभों के बारे में बढ़ती जागरूकता और ईपीएफओ के सफल आउटरीच कार्यक्रमों को दिया जा सकता है।

समूह 18-25 वेतन वृद्धि का नेतृत्व करता है: आंकड़ों का एक उल्लेखनीय पहलू 18-25 आयु वर्ग का प्रभुत्व है। 18-25 आयु वर्ग में 4.81 लाख नए सदस्य जुड़े, जो नवंबर 2024 में जोड़े गए कुल नए सदस्यों का महत्वपूर्ण 54.97 प्रतिशत है। इस महीने में 18-25 आयु वर्ग से जोड़े गए नए सदस्यों में पिछले महीने अक्टूबर 2024 की तुलना में 9.56 प्रतिशत की वृद्धि और नवंबर 2023 में पिछले वर्ष की तुलना में 13.99 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।

इसके अलावा, नवंबर 2024 में 18-25 आयु वर्ग के लिए शुद्ध पेरोल डेटा लगभग 5.86 लाख है, जो पिछले महीने अक्टूबर 2024 की तुलना में 7.96 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। यह पहले की प्रवृत्ति के अनुरूप है, जो दर्शाता है कि संगठित कार्यबल में शामिल होने वाले अधिकांश व्यक्ति मुख्य रूप से पहली बार नौकरी वाले युवा हैं।

पुनः शामिल हुए सदस्य: पेरोल डेटा से पता चलता है कि लगभग 14.39 लाख सदस्य ईपीएफओ से बाहर निकल गए और फिर से इसमें शामिल हो गए। यह आंकड़ा अक्टूबर 2024 के पिछले महीने की तुलना में 11.47 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। यह नवंबर 2023 की तुलना में 34.75 प्रतिशत की महत्वपूर्ण साल-दर-साल वृद्धि को भी दर्शाता है। इन सदस्यों ने अपनी नौकरी बदली और ईपीएफओ के दायरे में आने वाले प्रतिष्ठानों में फिर से शामिल हो गए और अंतिम निपटान के लिए आवेदन करने के बजाय अपने संचय को स्थानांतरित करने का विकल्प चुना, इस प्रकार दीर्घकालिक वित्तीय कल्याण की रक्षा की और अपनी सामाजिक सुरक्षा सुरक्षा का विस्तार किया।

महिला सदस्यता में वृद्धि: पेरोल डेटा के लिंग-वार विश्लेषण से पता चलता है कि महीने के दौरान जोड़े गए नए सदस्यों में से लगभग 2.40 लाख नई महिला सदस्य हैं। अक्टूबर 2024 के पिछले महीने से तुलना करने पर 14.94 प्रतिशत की वृद्धि दिखाई देती है। यह आंकड़ा नवंबर 2023 की तुलना में 23.62 प्रतिशत की महत्वपूर्ण साल-दर-साल वृद्धि को भी दर्शाता है। साथ ही, इस महीने के दौरान महिला सदस्यों का शुद्ध जुड़ाव लगभग 3.13 लाख रहा, जो अक्टूबर 2024 के पिछले महीने की तुलना में लगभग 12.16 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। यह नवंबर 2023 की तुलना में 11.75 प्रतिशत की साल-दर-साल वृद्धि को भी दर्शाता है।

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने स्टार्टअप प्रतिभा को बढ़ावा देने और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने साझेदारी की

नई दिल्ली (पीआईबी)। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) और भारत के अग्रणी रोजगार एवं पेशेवर नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म 'अपना' ने प्रतिभा खोज के लिए हाथ मिलाया है, ताकि डीपीआईआईटी पंजीकृत स्टार्टअप्स को उच्च कुशल जनशक्ति से लैस किया जा सके और बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा हों।

समझौता ज्ञापन (एमओयू) के माध्यम से औपचारिक रूप से की गई इस साझेदारी से भारत स्टार्टअप रजिस्ट्री (भास्कर) प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत 7,00,000 संस्थाओं में से प्रत्येक के लिए अपना के प्लेटफॉर्म पर हायरिंग क्रेडिट में 2000 रुपये प्रति इकाई का मौद्रिक मूल्य मिलेगा। वर्तमान में इसका मूल्य 140 करोड़ रुपये होगा। जैसे-जैसे स्टार्टअप इकोसिस्टम धीरे-धीरे विकसित होगा, इस पहल का मूल्य बढ़कर अनुमानित 300 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा। यह आपसी सहयोग उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग पंजीकृत स्टार्टअप को अपना के प्लेटफ़ॉर्म पर 2000 रुपये के क्रेडिट प्रदान करने का प्रयास करता है। ये क्रेडिट जॉब पोस्टिंग को सक्षम करके और अनुरूप प्रतिभा पूल तक पहुंच को अनलॉक करके बेहतर भर्ती का समर्थन करेंगे। भास्कर पर सात लाख पंजीकरणों के साथ, यह पहल 140 करोड़ रुपये से अधिक के मूल्य का प्रतिनिधित्व करती है। जैसे-जैसे पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर स्टार्टअप की संख्या बढ़ती है, मूल्य 300 करोड़ रुपये तक बढ़ जाएगा, जो भारत की उद्यमशीलता का समर्थन करने के लिए महत्वपूर्ण संसाधन प्रदान करेगा। क्रेडिट स्टार्टअप को अपना के व्यापक भर्ती उपकरणों तक पहुंचने में सक्षम करेगा, जिससे बेहतर जॉब मैचिंग और दक्षता को बढ़ावा मिलेगा। प्रतिभा तक बेहतर पहुंच नई पहलों के लिए बाजार में लगने वाले समय में कमी लाएगी, जिससे परिचालन को बढ़ाने में स्टार्टअप को मदद मिलेगी।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरल उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर, अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

245 वाहन चालकों का कटा चालान

दुर्ग। पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला द्वारा सडक दुर्घटना में बिना हेलमेट की वजह से होने वाली मौत को रोकने हेतु यातायात पुलिस दुर्ग दिये गये निर्देश के तारत्यम में ऋचा मिश्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, (यातायात) के मार्ग दर्शन में एवं सतानंद विंध्यराज, उप पुलिस अधीक्षक (यातायात) के नेतृत्व में यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा बिना हेलमेट दो पहिया वाहन चालको पर विशेष अभियान चलाकर की गई कार्यवाही।

अधिकांश दो पहिया सडक दुर्घटनाओं में बिना हेलमेट वाहन चालन से किसी सडक दुर्घटना के शिकार होने पर सर में लगने वाले गंभीर चोट से मृत्यु कारित होना पाया गया है ऐसी सडक दुर्घटनाओं में लोगो की जान बचाने और उन्हें हेलमेट के प्रति जागरूक करने यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा नेशलन हाईवे एवं दुर्ग भिलाई के प्रमुख मार्गो तथा कुम्हारी टोल प्लाजा में रायपुर आने वाले दो पहिया वाहन चालको पर कुल-12 वाहन चेकिंग पाइंट बनाये गये।

जिसमें यातायात के अधिकारी द्वारा बिना हेलमेट धारण कर वाहन चलाने वाले के विरूद्ध विशेष अभियान चलाकर कार्यवाही किया गया उक्त कार्यवाही में बिना हेलमेट धारण कर वाहन चालन करने वाले कुल-245 वाहन चालको के विरूद्ध बिना हेलमेट मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाही किया गया। यह कार्यवाही आगे निरंतर जारी रहेगा

पुलिसकर्मी ने की युवती की पिटाई, सरेआम बरसाया लात घूंसे

रायपुर। छत्तीसगढ़ में तेजी से बढ़ रहे सड़क हादसों को लेकर 15 जनवरी से 14 फरवरी सड़क सुरक्षा सप्ताह चलाया जा रहा है। इस दौरान ट्रैफिक की जिम्मेदारी संभाल रहे पुलिसकर्मियों ने नियमों को तोड़ने वालों को समझाइश भी दी है। लेकिन सोशल मीडिया पर पुलिसकर्मी का एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें पुलिसकर्मी एक युवती के साथ गुंडागर्दी करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

दरअसल हम बात कर रहे हैं राजधानी रायपुर की है जहां रोड क्रॉस कर रहे पुलिसकर्मी की गाड़ी को तेज रफ्तार से आ रही युवती ने टक्कर मार दी। गाड़ी को टक्कर लगते ही पुलिसकर्मी ने अपना आपा खो दिया और बीच सड़क पर ही मारपीट करने लगे। वायरल वीडियो में पुलिस जवान को युवती पर लात घूंसे बरसाते हुए साफ देखा जा सकता है। वहीं, जब युवती मामले की शिकायत करने खम्हाडीह थाने पहुंची तो वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने शिकायत तो दर्ज नहीं कि बल्कि उसे बिना सुनवाई के ही वापस भेज दिया।

अवैध संबंध व ब्लैकमेलिंग बना रायपुर डबल मर्डर की वजह, आरोपी ने महिला की नस काटकर गला दबाया

नाबालिग बेटी की हत्या के बाद शव के साथ किया रेप, पुलिस ने आरोपी व उसकी पत्नी को किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में डबल मर्डर केस में खुलासा हुआ है। मां और बेटी की हत्या अवैध संबंध के बाद ब्लैकमेलिंग की वजह से की गई। इस मामले में आरोपी ने पहले मां की नस काट कर उसका गला घोटा। फिर बेटी की भी गला घोटकर हत्या कर दी। इसके बाद नाबालिग की लाश के साथ रेप भी किया। पुलिस ने मृतिका के पूर्व बॉयफ्रेंड और उसकी पत्नी को गिरफ्तार किया है।

रायपुर एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह से मिली जानकारी के मुताबिक, 31 दिसंबर को रायपुर के खमतराई इलाके में एक नाले में नाबालिग लड़की की लाश मिली। लड़की की उम्र करीब 14 साल थी। 14 साल की लड़की की लाश मिलने के बाद पुलिस आसपास पता तलाशी करते हुए अगले दिन धनेली गांव में लड़की के घर पहुंची। पता चला कि, घर के अंदर ही उसकी मां हमीदा बेगम की लाश पड़ी थी। महिला के दोनों हाथ की नस कटी हुई थी आसपास खून बिखरा हुआ था। डबल मर्डर केस में पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में पता चला कि, हमीदा की हत्या हाथ की नस काटने के बाद गला दबाने से हुई । इसके अलावा नाबालिग बेटी की हत्या भी गला दबाकर आई। लेकिन हत्यारे ने हत्या के बाद नाबालिग की लाश से रेप भी किया था। इसके बाद पुलिस ने अड़ोस-पड़ोस और रिश्तेदारों को मिलाकर करीब 50 से ज्यादा लोगों से पूछताछ की।

30 किलोमीटर इलाके में हजारों सीसीटीवी खंगाले

पूछताछ में पता चला कि, हमीदा के घर पर एक ऑटो वाला अक्सर आया जाया करता था। घटनास्थल के आसपास सीसीटीवी कैमरे नहीं होने और ब्लाइंड स्पॉट होने की वजह से पुलिस के लिए मुश्किल हो गई। जांच टीम ने 30 किलोमीटर के इलाके में हजारों सीसीटीवी कैमरे खंगाले। इसके बाद एक संदिग्ध ऑटो नंबर के आधार पर ऑटो चालक भरत दास दीवान को हिरासत में लिया गया।

ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर दिया वारदात को अंजाम

आरोपी भरत दास ने शुरुआत में पुलिस को उलझाने का प्रयास किया लेकिन कड़ाई से पूछताछ पर उसने सच उगल दिया। ऑटो ड्राइवर भरत ने बताया कि यह हत्या उसने अपनी पत्नी अनीता लहरे के साथ मिलकर की है। आरोपी पहले हमीदा के घर के पास रहता था। उस दौरान हमीदा के साथ उसका अवैध संबंध बन गया। इसके बाद वह धनेली से शिवानंद नगर में शिफ्ट हो गया। कुछ दिनों बाद हमीदा उसे शादी करने के लिए जबरदस्ती करने लगी। पैसों की मांग करने लगी, पैसे नहीं देने पर केस में फंसाने की धमकी देने लगी। इस बीच आरोपी एक दूसरी महिला अनीता के साथ रहने लगा था। उसने यह बात अनीता को बताई। तब दोनों ने मिलकर हमीदा को रास्ते से हटाने का प्लान बनाया।

नाबालिग लड़की को अपने घर लाया आरोपी

आरोपी हमीदा को मारने से पहले नाबालिग बेटी को किसी बहाने अपने घर शिवानंद नगर ले आया। अनीता के भी चार बच्चे हैं, जिसे उसने पहले ही गांव भेज दिया था। अब आरोपी 31 दिसंबर के शाम हमीदा के घर पहुंचा। उसने चाकू से हमीदा के दोनों हाथ की नस काट दी फ़िर उसने गला दबा दिया। फिर उसने लाश को कंबल से ढंक दिया। आरोपी भरत हत्या करके वापस अपने घर लौटा और उसने अनीता को पूरी बात बताई। इस दौरान नाबालिग लड़की ने मां की हत्या की बात सुन ली। इस पर भरत और अनीता ने मिलकर 14 साल की लड़की का भी गला दबा दिया। भरत ने नाबालिग की लाश ठिकाने लगाने के बहाने दूसरे कमरे में ले गया और रेप भी किया। इसके बाद नाबालिग की लाश को नाले में फेंक दिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से हत्या में इस्तेमाल चाकू, ई-रिक्शा और दो मोबाइल फोन जब्त किया है। दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। इस मामले में एंटी क्राइम यूनिट, धरसींवा थाना और सिलियारी चौकी प्रभारी को एएसपी ने 10 हजार नगद इनाम देने की घोषणा की है।

पति-पत्नी के झगड़े में बीच-बचाव करना रिश्तेदार को पड़ा भारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में पति ने पत्नी पर चरित्र शंका को लेकर चाकू से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने आए रिश्तेदार युवक के गले पर भी चाकू से गंभीर चोट पहुंची। घटना खरसिया थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक ग्राम पुरी की रहने वाली गीता बाई सारथी (40) की शादी करीब 20 साल पहले गांव के मोहन सारथी के साथ सामाजिक रीति रिवाज के साथ हुई थी। तब से दोनों साथ रह रहे थे, लेकिन 10 साल बाद मोहन अपनी पत्नी पर चरित्र शंका करते हुए अक्सर लड़ाई करता था।

इसी बात को लेकर एक बार आमापाली के जंगल में ले जाकर उसे फांसी लटकाने का भी प्रयास किया, लेकिन वह किसी तरह बच गई। इसके बाद डर से चुप रहकर उसके साथ रहती थी। पति से परेशान होकर करीब 1 माह पहले गीता अपने बच्चों को लेकर मायके जोबी आ गई। मोहन के जोबी आने के डर से गीता वहां से भी निकलकर अपने मामा के घर उल्दा आ गई। सोमवार को गीता अपने मामा का बेटा अजीत कुमार सारथी, अपनी मां रामवती सारथी और बेटा अर्जुन सारथी के साथ मजदूरी करने के लिए उल्दा के राजेश जायसवाल के खेत में गई थी।

तभी दोपहर में उसका पति मोहन सारथी अपने 3-4 साथियों के साथ वहां पहुंच गया और खेत में काम कर रही गीता के साथ पुरानी बातों को लेकर

उसकी लात घूसों से पिटाई करने लगा। इसके बाद अपने पास रखे चाकू को निकालकर उसके ऊपर हमला कर दिया, लेकिन वह बच गई। मारपीट की घटना को देखकर उसका मामा का बेटा अजीत कुमार बीच-बचाव करने आया, तो मोहन ने पर भी चाकू से हमला कर दिया। इससे अजीत के गर्दन के पास गंभीर चोट पहुंची। इस दौरान उसके बेटे अर्जुन सारथी के भी नाक के पास चाकू से चोट लग गया। इस मारपीट की घटना में मोहन के साथी राम प्रसाद ने भी उसका साथ दिया।

घटना को अंजाम देकर मोहन अपने साथियों के साथ वहां से भाग निकला। इसके बाद आसपास के ग्रामीण वहां पहुंचे और मारपीट से घायल हुए गीता व उसके मामा के बेटे अजीत को इलाज के लिए अस्पताल लेकर गए। प्रारंभिक इलाज के बाद गीता ने घटना की सूचना खरसिया थाना में दी। जहां पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है। इस संबंध में खरसिया थाना प्रभारी गौरव कुमार ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद मामले में राम प्रसाद को गिरफ्तार कर लिया गया है। पीड़िता के पति की तलाश की जा रही है।

मासूम को कुचला, मौत

रायपुर। तिल्दा नेवरा में एक दर्दनाक सड़क हादसे में 6 वर्षीय मासूम की जान चली गई। घटना तिल्दा-सिमगा मार्ग पर ग्राम बिलाड़ी के पास की है। मृतक की पहचान मयंक यादव के रूप में हुई है, जो हरीश यदु का पुत्र था। दुर्घटना उस समय हुई जब मयंक अपनी दादी के साथ खेत से घर लौट रहा था। सड़क पार करते समय एक तेज रफ्तार हाइवा (नंबर सीजी 28 पी-1028) ने उसे कुचल दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद हाइवा चालक वाहन छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। स्थानीय लोगों ने हाइवा को रोक लिया और आक्रोश में सड़क पर चक्काजाम कर दिया।

भिलाई में गौ-मांस बेचने वाला युवक पकड़ाया कृष्णा नगर हड्डी गोदाम के पास बिक रहा था गोमांस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुपेला थाना क्षेत्र के अंतर्गम कृष्णा नगर हड्डी गोदाम के पास गोमांस बेचने वाले एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। युवक ने पूछताछ में गोमांस बेचने की बात मानी है। इस मामले में एक आरोपी और है जो कि फरार है। सुपेला पुलिस फरार आरोपी की तलाश कर रही है।

बता दें 19 जनवरी को बजरंग दल के लोगों ने कृष्णा नगर हड्डी गोदाम के पास गोमांस बेचे जाने का खुलासा किया था। बजरंग दल ने स्टिंग कर पूरे मामले का खुलासा किया। इस दौरान भारी हंगामा हुआ। गोमांस बेचने वाले आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने गौ मांस बेचने के आरोपी राज सोनी उर्फ राजेश के एक मकान से करीब दस किलो गौ मांस, दूसरे मकान से 30 किलो गौ मांस जब्त किया था। इसके साथ ही अब्बास कुरैशी के गोदाम से दस गाय की खाल को जब्त किया। वहीं गोमांस खरीदने वाले एक युवक

लोकेश सोनी ने अपने घर पर फांसी लगा ली। इस मामले में परिजनों ने आरोप लगाया कि बजरंग दल के लोगों के हंगामे से डरकर उसने फांसी लगाई। बहरहाल इस पूरे मामले में पुलिस ने अपराध कायम किया और आरोपियों की तलाश शुरू की।

आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने सुपेला थाने का घेराव कर चेतावनी दी थी कि यदि आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई तो वो उग्र प्रदर्शन करेंगे। बजरंगा दल के प्रदर्शन के दूसरे ही दिन पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। बुधवार को पुलिस ने आरोपी राज सोनी पिता धरम सोनी (25) निवासी कृष्णा नगर हड्डी गोदाम के पास को घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया। सुपेला पुलिस ने राज को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन एक आरोपी अब्बास कुरैशी अभी भी फरार है जिसकी तलाश की जा रही है।

रतनजोत बीज खाने से 9 बच्चे बीमार, इलाज जारी

धमतरी। सेमरा-सी गांव के रहने वाले स्कूली बच्चों ने रतनजोत के बीज खा लिए और जब वे स्कूल से पढ़ाई करके घर लौटे तो उल्टी करने लगे। एक के बाद एक बच्चों के उल्टी करने की जानकारी जैसे ही गांव में फैला तो वहां अफरा तफरी मच गया और देखते ही देखते 9 बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी। आनन-फानन में उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती किया गया जहां उनकी हालत अब खतरे से बाहर बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सभी बच्चे स्कूल से लौटते समय खेल रहे थे और उन्होंने इस दौरान रतनजोत के बीज को खा गए। देर शाम एक के बाद एक 9 बच्चे अपने-अपने घरों में उल्टी करने लगे। परिजनों ने बताया कि बच्चे स्कूल में दिनभर थे और शाम 4 बजे स्कूल छूटने के बाद घर लौटे और शाम 6 बजे बच्चों को उल्टी होना शुरू हो गया। सरपंच और ग्रामीणों की मदद से आनन-फानन में सभी बच्चों को अस्पताल लाया गया।

नक्सली फिर एक ब्लास्ट की तैयारी में थे, प्लान पर जवानों ने फेरा पानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सली एक बार फ़िर से बड़े ब्लास्ट की तैयारी में थे। बीजापुर में नक्सलियों द्वारा सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने की नीयत से अलग-अलग जगहों पर प्लांट किये गए पांच-पांच किलो के आठ आईईडी बरामद कर जवानों ने डिफ्यूज कर दिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक नक्सलियों ने गंगालुर थाना क्षेत्र के मुतवेंडी और पीड़िया जाने वाले रास्ते पर अलग-अलग जगहों पर पांच-पांच किलो के आठ आईईडी प्लांट कर रखे थे। जिसे डीआरजी, बीडीएस बीजापुर, सीआरपीएफ व कोबरा बीडीएस की संयुक्त पार्टी ने एरिया डॉमिनेशन व डिमाइनिंग ड्यूटी के दौरान बरामद कर उसे वहीं सुरक्षित तरीके से डिफ्यूज कर दिया। बताया गया है कि नक्सलियों ने जवानों को नुकसान पहुंचाने की नीयत से आईईडी प्रेशर स्विच सिस्टम से लगाया था। लेकिन जवानों की तत्परता व सतर्कता ने नक्सलियों के मंसूबे पर पानी फेर दिया।

▶ पांच-पांच किलो के आठ आईईडी बरामद

दो पक्षों में मारपीट के बाद एक की मौत, रायगढ़ में आधीरात हुआ घमासान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में बीती रात दो पक्षों के बीच किसी बात को लेकर हुए मारपीट की घटना के बाद एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की जानकारी के बाद पुलिस मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल भेजते हुए मामले की जांच में जुट गई है। मारपीट का वीडियो सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है जो सोशल मीडिया में वायरल भी हो रहा है। उक्त मामला खरसिया थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार खरसिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गंज बाजार में बीती रात सवा 11 बजे के आसपास दो

पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई है। मारपीट का पूरा वीडियो वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है, जो सोशल मीडिया में वायरल भी हो रहा है। इस दौरान अनूप अग्रवाल 50 साल की संदिग्ध परिस्थितियो में मौत हो गई। बुजुर्ग की मौत की खबर मिलते ही खरसिया मौके पर पहुंचकर मृतक के शव को पीएम के लिये अस्पताल भेजते हुए मामले को जांच में ले लिया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही बुजुर्ग की मौत के कारणों का पता चल सकेगा।

खरसिया पुलिस ने प्रारंभिक जांच में अनुराग गर्ग, मनीष गर्ग के अलावा अन्य के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले को जांच में ले लिया है। इस मामले में मृतक के पुत्र गगन अग्रवाल ने बताया कि अनुराग गर्ग उर्फ चीनुए मनीष गर्गए छोटू ये लोग रात के समय अक्सर गुंडा गर्दी करते हैं। इनके परिवार के बड़े.बडे लोग होनें के चलते दादागिरी करते हैं और केश बनने पर उसे दबा देते हैं। कुछ साल पहले मेरे चाचा के साथ भी इन लोगों ने मारपीट की थी। उस समय भी इन लोगों ने उस केश को दबा दिया था और कल इसी तरह की घटना में मेरे पिता की जान चली गई। मेरे घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में लगे देखा जा सकता है कि किस तरह उन लोगों ने हंगामा मचाया है। पुलिस इस मामले में रिपोर्ट नही लिख रही है उन पर भी उपर से दबाव बनते जा रहा है। मृतक अनुप अग्रवाल के पुत्र गगन अग्रवाल ने बताया की अनुराग गर्ग, मनीष गर्ग, पवन गर्ग, उमेश गर्ग, मीना गर्ग के द्वारा उनके घर का दरवाजा तोड़ते हुए घर घुस उनके साथ मारपीट की घटना को अंजाम दिया है।

गांजे के साथ युवक-युवती गिरफ्तार

बिलासपुर। चोरी-छुपे बिलासपुर रेलवे स्टेशन से गांजा लाकर सरकंडा क्षेत्र में खपाने की फिराक से पहले ही मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर सरकंडा पुलिस ने स्कूटी में छिपाकर ले जा रहे 2 किलो 600 ग्राम गांजे के साथ युवक और युवति को गिरफ्तार कर लिया। सरकंडा थाना प्रभारी निलेश पांडेय ने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर उन्होंने घेराबंदी कर आने-जाने वालों की तलाशी ले रहे थे।

गणतंत्र दिवस पर नईदिल्ली में दिखेगी छत्तीसगढ़ की जनजातीय परंपराओं और रामनामी समुदाय की झलक

राष्ट्रीय रंगशाला में आयोजित प्रिव्यू में छत्तीसगढ़ की झांकी को राष्ट्रीय मीडिया की मिली सराहना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गणतंत्र दिवस के अवसर पर दिल्ली के लाल किले पर आयोजित होने वाले भारत पर्व 2025 में इस बार छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत और रामनामी समुदाय की झलक देखने को मिलेगी। छत्तीसगढ़ की झांकी भारत सरकार की थीम 'स्वर्णिम भारत : विरासत और विकास' पर आधारित है। झांकी में प्रदेश की समृद्ध और विविधतापूर्ण सांस्कृतिक विरासत को दिखाया गया है।

बुधवार को राष्ट्रीय रंगशाला दिल्ली में आयोजित प्रेस प्रिव्यू में छत्तीसगढ़ की झांकी को राष्ट्रीय मीडिया की सराहना मिली। झांकी के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर में जीवन, प्रकृति और आध्यात्मिकता का गहरा संबंध है। यह झांकी छत्तीसगढ़ के लोक जीवन, रीति-रिवाजों और परंपराओं को दर्शाते हुए राज्य की अनूठी सांस्कृतिक पहचान को प्रस्तुत कर रही है।

झांकी के आगे के हिस्से में निराकार राम की उपासना करने वाले रामनामी समुदाय का प्रतिनिधित्व करती स्त्री और पुरुष को दिखाया गया है। इनके शरीर एवं कपड़ों पर 'राम-राम' शब्द अंकित है। इन्हें रामचरितमानस का पाठ करते हुए दिखाया गया है। इसके पास घुंघरुओं का प्रदर्शन किया गया है, जो भजन के लिए उपयोग होते हैं। बीच के हिस्से में आदिवासी संस्कृति के पहनावे, आभूषण, कलाकृतियां और कला परंपराएं दर्शाई गई हैं। इस भाग में तुरही वाद्य यंत्र और सल्फी वृक्ष को प्रमुखता से दिखाया गया है, जो बस्तर के लोकजीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। झांकी के पीछे मयूर का अंकन किया गया है, जो कि लोक जीवन के सौंदर्य और जीवंतता का प्रतीक है। झांकी के माध्यम से छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर और प्रकृति से जुड़ी आध्यात्मिकता को गहराई से उजागर किया गया है।

कृषि में प्रौद्योगिकी एवं नवाचारों के उपयोग से होगी नई क्रांति - डॉ. चंदेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के 39वें स्थापना दिवस के अवसर कल 20 से 22 जनवरी 2025 तक इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर एवं राष्ट्रीय कृषि विकास सहकारी लिमिटेड, बरामूला (जम्मू-कश्मीर) के संयुक्त तत्वावधान में ''कृषि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए वैश्विक अनुसंधान पहल'' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आज समापन हुआ।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल उपस्थित थे। इस अवसर पर राष्ट्रीय कृषि विकास सहकारी लिमिटेड, बरामूला (जम्मू-कश्मीर) के सम्मेलन समन्वयक डॉ. आर.ए. शाह, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. विवेक कुमार

त्रिपाठी, संचालक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ. राजेन्द्र लाकपाले एवं कृषि महाविद्यालय, रायपुर के अधिष्ठाता डॉ. जी.के. दास विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा कि राष्ट्रीय कृषि विकास सहकारी लिमिटेड, बरामूला के संयुक्त तत्वावधान में हाइब्रिड मोड में आयोजित इस तीन दिवसीय अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में काफी अच्छे शोध पत्र प्रस्तुत किये गये। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में टेक्नोलॉजी का उपयोग दिन ब दिन बढ़ता जा रहा है जिसके कारण आने वाले समय में हाइब्रिड मोड पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। विद्यार्थियों को इस तरह के आयोजनों में अधिक से अधिक संख्या में हिस्सा लेना चाहिए। उन्होंने शोधार्थियों से आव्हान किया कि वे अनुसंधान कार्य में नवाचार के उपयोग पर अधिक ध्यान दें। डॉ. चंदेल ने कहा कि राष्ट्रीय कृषि विकास सहकारी लिमिटेड सहकारिता के क्षेत्र में काफी अच्छा कार्य कर रही है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस आयोजन के सार्थक परिणाम प्राप्त होंगे। डॉ. चंदेल ने सम्मेलन के सफल आयोजन हेतु इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर तथा राष्ट्रीय कृषि विकास सहकारी लिमिटेड, बरामूला के वैज्ञानिकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

राष्ट्रीय कृषि विकास सहकारी लिमिटेड, बरामूला के सम्मेलन समन्वयक डॉ. आर.ए. शाह ने कहा कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह सम्मेलन काफी सफल रहा। उन्होंने कहा कि हमें यहां के आतिथ्य सत्कार ने काफी प्रभावित किया। डॉ. शाह ने उम्मीद जाताई की भविष्य में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के साथत मिलकर और भी कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। समापन समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. राजेन्द्र लाकपाले ने बताया कि इस सम्मेलन में 474 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस तीन दिवसीय सम्मेलन में 824 शोध पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 190 शोध पत्रों का मौखिक एवं 39 शोध पत्रों का ऑनलाईन प्रस्तुतिकरण दिया गया। अतिथियों द्वारा इस अवसर पर सम्मेलन में उत्कृष्ट शोध पत्र एवं पोस्टरों की प्रस्तुति देने वाले वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों को सम्मानित भी किया। कार्यक्रम के अंत में आयोजन सचिव डॉ. राजेन्द्र लाकपाले ने अतिथियों के प्रति आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राकेश बनवासी द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, प्राध्यापक, वैज्ञानिक, कार्यक्रम के प्रतिभागी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि इस तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम द्वारा विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर 20 जनवरी को किया गया था।

आयुर्वेद महाविद्यालय में वार्षिक उत्सव उमंग का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय में आज वार्षिक उत्सव एवं स्नेह सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में कलेक्टर अवनीश शरण भी शामिल हुए। उन्होंने बच्चों का मनोबल बढ़ाते हुए जीवन में एक लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर दिनदयाल उपाध्याय स्मृति आयुष एवं स्वास्थ्य विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ पी के पात्रा, संचालक आयुष विभाग इफ्फत आरा , सिम्स के डीन डॉ रामनेश मूर्ति , शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय बिलासपुर के प्राचार्य डॉ जी आर चतुर्वेदी भी मौजूद थे। सभी अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ रक्षपाल गुप्ता एवं प्रोफेसर इन चार्ज स्टूडेंट यूनियन डॉ मीनू श्रीवास्तव

खरे ने किया। कुलपति डॉ पात्रा ने विश्विद्यालय से पीएचडी पाठ्यक्रमों के प्रारंभ होने की जानकारी दी। कलेक्टर ने आयुर्वेद महाविद्यालय के वर्तमान भवन का उन्नयन करवाने का आश्वासन दिया। संचालक आयुष इफ्फत आरा ने विभिन्न राष्ट्रीय आयुष कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ विवेक दुबे तथा डॉ विद्या भूषण पांडेय द्वारा किया गया। वार्षिक उत्सव में विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न पारंपरिक एवं रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई।

गौवंशों के लिए अखिल जैन के कार्य प्रशंसनीय : अनुसुइया उईके

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पूर्व राज्यपाल अनुसुइया उईके बुधवार को मनोहर गौशाला खैरागढ़ के ट्रस्टी डॉ. अखिल जैन (पदम डाकलिया) के देवेंद्रनगर स्थित निज निवास पहुंची। उन्होंने करीब 2 घंटे तक घर में रहकर परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और मनोहर गौशाला के संबंध में पूर्ण जानकारी ली।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में गौ आधारित कृषि ही हमारे जीवन को सुरक्षित कर सकती है। मनोहर गौशाला में बनने वाले उत्पाद वर्तमान समय की मांग है और इनका प्राकृतिक चक्र की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान है। गौवंशों की सेवा कर

डॉ. जैन गोबर-गौमूत्र से बहुत अच्छे उत्पाद बना रहे हैं, जो सराहनीय है। इस दौरान पूर्व राज्यपाल ने गोबर और गौमूत्र से बनने वाले प्रोडक्ट पर चर्चा कर मनोहर आर्गेनिक गोल्ड की पैकेजिंग को लॉन्च किया। उन्होंने घर के भ्रमण के दौरान साधु-साध्वी भगवंत की सेवा के लिए बने सदन की सराहना की। उन्हें मनोहर गौशाला की तरफ से महेंद्र लोढ़ा, इंदु देवी लोढ़ा, शीलू कोठारी, सपना डाकलिया ने 'गाय एक वरदान' पुस्तक भेंट की गई।

कलेक्टर ने शैक्षणिक संस्थाओं का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

मोहला। कलेक्टर तुलिका प्रजापति आज मानपुर के दौरे पर रही। इस दौरान कलेक्टर ने मानपुर में बन रहे नवीन एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित निर्माण एजेंसी को निर्देशित करते हुए कहा कि भवन निर्माण में उपयोग में होने वाले सभी सामग्री गुणवत्ता युक्त होनी चाहिए। निर्माण कार्य में गति लाने और समय सीमा में पूर्ण करने निर्देशित किया। कलेक्टर ने यहां विद्यार्थियों के अध्ययन कक्ष, विज्ञान संकाय के प्रयोगशाला, कंप्यूटर कक्ष का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित निर्माण एजेंसी को विद्यालय परिसर, खेल मैदान परिसर में समतलीकरण करने के साथ ही सुसज्जित बनाने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि मानपुर में 38 करोड़ रुपए की लागत से एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का निर्माण किया जा रहा है। विद्यालय का निर्माण हो जाने से कक्षा

06 से 12वीं तक के बालक एवं बालिका आवासीय विद्यालय में निवास करने के साथ ही गुणवत्तायुक्त अध्ययन करेंगे। इससे क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए सुसज्जित माहौल में शिक्षा ग्रहण के साथ ही सुविधा युक्त आवासीय विद्यालय में अध्ययन करने का सुनहरा अवसर मुहैय्या होगा। यह विद्यालय वनांचल क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में एक नई क्रांति होगी। वनांचल एवं नक्सल क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए उत्कृष्ट शिक्षा अध्ययन करने का अवसर मिलेगा।

कलेक्टर प्रजापति ने मानपुर में संचालित शासकीय प्री मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर ने छात्रावास में उपलब्ध संसाधन, सुविधा की जानकारी ली। विद्यार्थियों के लिए शुद्ध पेयजल के लिए लगाए गए आर ओ की गुणवत्ता की जांच की। उन्होंने छात्रावास अधीक्षक को विद्यार्थियों को सही समय पर पोषण युक्त भोजन वितरित करने के निर्देश दिए। छात्रावास एवं परिसर पर साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने और समय-समय पर छात्रवासी बालकों का स्वास्थ्य परीक्षण कराने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर ने मानपुर में संचालित शासकीय आईटीआई पहुंचकर यहां इलेक्ट्रीशियन एवं कंप्यूटर में प्रशिक्षण ले रहे विद्यार्थियों से सौजन्य भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया। कलेक्टर ने इलेक्ट्रीशियन के विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि प्रशिक्षण के दौरान गंभीरता का परिचय देते हुए सभी बारीकियों को अच्छे से सीखे। उन्होंने विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई करने और प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरांत अपने हुनर को तराशने के संबंध में आवश्यक सिख एवं मार्गदर्शन दी। कलेक्टर ने इस दौरान कंप्यूटर प्रशिक्षण ले रहे विद्यार्थियों से भेंट कर उनका हाल-चाल जाना। उन्होंने प्रशिक्षण ले रहे बालिकाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वर्तमान में कंप्यूटर का अच्छा स्कोप है, इसे ध्यान में रखकर कंप्यूटर टाइपिंग प्रतिदिन करने और गति लाने के लिए प्रोत्साहित किया।

रेलवे जीएम ने विद्युत ट्रैक्शन के 100 गौरवशाली वर्षों के आयोजन का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

विद्युत लोको प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण भी किया, अफसरों को दिए निर्देश

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने बुधवार को विद्युत लोको प्रशिक्षण केंद्र, उसलापुर का निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने भारतीय रेलवे में विद्युत ट्रैक्शन के 100 गौरवशाली वर्षों के उपलक्ष्य में आयोजित श्रृंखलाबद्ध कार्यक्रमों का शुभारंभ किया। यह केंद्र भारतीय रेलवे के प्रमुख प्रशिक्षण संस्थानों में से एक है, जहां विद्युत इंजन संचालन, रखरखाव, और रेल परिचालन की रीढ़ कहे जाने वाले तथा संरक्षा से जुड़े रेल चालकों एवं परिचालकों को उच्च गुणवत्ता का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने प्रशिक्षण केंद्र में उपलब्ध संसाधनों और प्रक्रियाओं का गहन अवलोकन किया। उन्होंने लोको इंस्पेक्टरों के साथ संवाद करते हुए उनकी समस्याओं, सुझावों और प्रशिक्षण की गुणवत्ता को लेकर चर्चा की। केंद्र में उपलब्ध आधुनिक सिमुलेटर, प्रायोगिक कक्षाएं और चालकों के लिए बनाए गए बोगी मॉडल का अवलोकन करते हुए उन्होंने इनकी प्रशंसा की और इन्हें और उन्नत बनाने के निर्देश दिए।

प्रशिक्षण केंद्र के विस्तार परियोजना पर चर्चा

तरुण प्रकाश ने प्रशिक्षण केंद्र के विस्तार की महत्वाकांक्षी परियोजना पर भी चर्चा की और इसके विकास के लिए बहुमूल्य सुझाव दिए। इस अवसर पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा विद्युत ट्रैक्शन के 100 गौरवशाली वर्षों का उत्सव मनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों की शुरुआत की गई। महाप्रबंधक ने कहा कि यह अवसर भारतीय रेलवे के लिए गौरव का क्षण है और इस प्रशिक्षण केंद्र का योगदान इस सफर को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभा रहा है।

केन्द्र में मिलता है सैद्धांतिक और प्रायोगिक प्रशिक्षण

विद्युत लोको प्रशिक्षण केन्द्र उसलापुर में आधुनिक सिमुलेटर उपलब्ध है, जो कि प्रशिक्षणार्थियों को सटीक और वास्तविक परिस्थितियों का अनुभव प्रदान करने के लिए उच्च तकनीक आधारित हैं। यहां तकनीकी कक्षाएं संचालित होती है, जिसमें विद्युत इंजन संचालन और रखरखाव से जुड़े गहन सैद्धांतिक और प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जाता है। यहां प्रशिक्षार्थियों के लिए रेल परिचालन के दौरान संरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाते है।

आदर्श केंद्र बनाने की दिशा में सतत प्रयासरत

इसके साथ ही विद्युत लोको प्रशिक्षण केन्द्र उसलापुर प्रशिक्षण केंद्र को स्वच्छता और अनुशासन का आदर्श केंद्र बनाने की दिशा में सतत प्रयासरत है। महाप्रबंधक ने कर्मचारियों और प्रशिक्षणार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि यह केंद्र न केवल तकनीकी दक्षता में सुधार कर रहा है, बल्कि भारतीय रेलवे की संरक्षा और संचालन को मजबूत करने में भी योगदान दे रहा है। इस अवसर पर आरके तिवारी, प्रधान मुख्य विद्युत इंजीनियर, एसके सोलंकी, प्रधान मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर राजमल खोईवाल, मंडल रेल प्रबंधक बिलासपुर उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950